RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

आंदोलन नही अखबार

जयपुर
गुरूवार
17/अक्टूबर/2024

वर्ष: 10: अंक: 179

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट से राइज करेगा राजस्थान

द पुलिस पोस्ट

क्षेत्रीय निवेश को बढ़ावा देने के लिए चूरू में समिट 23 को

चूरू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की प्रदेश सरकार राजस्थान को हर क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए कटिबद्ध है। औद्योगिक विकास को गति देने और प्रदेश में निवेश को बढ़ाते हुए सुविधाओं के विकास के साथ उन्नत राजस्थान की मंशा के साथ मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार राजधानी मुख्यालय पर 9 दिसबंर से 11 दिसंबर को प्रदेश स्तरीय 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट -2024 का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा की मंशानुरूप 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट सम्मिट -2024 के माध्यम से प्रदेश में भौगोलिक निवेश बढ़ने से राजस्थान राइज करेगा और औद्योगिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्रों के निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी के साथ निवेशकों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए एमओयू किए जा रहे हैं।

औद्योगिक विकास के साथ युवाओं को मिलेगा रोजगार

युवाओं को राजकीय विभागों के साथ निजी क्षेत्रों में रोजगार व स्वरोजगार के लिए अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश की भजनलाल सरकार संवेदनशील है। 'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टर मीट के माध्यम से प्रदेश सरकार औद्योगिक संघ के प्रतिनिधियों, उद्योगपतियों व निवेशकों को फैसिलिटेट कर औद्योगिक संभावनाओं पर निरंतर प्रगतिरत है। इन्वेस्टमेंट सम्मिट के माध्यम से औद्योगिक विकास की अपार संभावनाओं के साथ प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के बेहतरीन अवसर मिलेंगे।

इन्वेस्टमेंट सम्मिट में कृषि, खान, यूडीएच, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, राजस्व, ऊर्जा, श्रम, कौशल, सानिवि, पीएचईडी सहित सेवा प्रदाता विभागों के माध्यम से निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है।

जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट सम्मिट से क्षेत्रीय निवेश को बढ़ावा

मुख्यमंत्री शर्मा की मंशा है कि क्षेत्रीय निवेश को बढ़ावा मिले ताकि प्रादेशिक विकास की गति तीव्र हो और राजस्थान प्रदेश हर क्षेत्र में अग्रणी बने। क्षेत्रीय निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय मीट में सभी जिलों के प्रमुख उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इसी के साथ वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

राज्य सरकार की ओर से एमओयू करने के निए जिला स्तर पर जिला कलक्टर को अधिकृत किया गया है। एमओयू के लिए न्यूनतम राशि निर्धारित नहीं की गई है तथा निवेशकों के लिए भूमि उपलब्ध होना आवश्यक नहीं है। भूमि की अनुपलब्धता में किए जाने वाले एमओयू के लिए भूमि उपलब्धता करवाने के आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। इसी के साथ ऑनलाइन एमओयू के निए राजनिवेश पोर्टल पर व्यवस्था की गई है, जिस पर एन्ट्री के लिए उद्योग व वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक नोडल अधिकारी हैं।

इसी क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में चूरू जिला मुख्यालय पर 23 अक्टूबर को जिला स्तरीय राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट आयोजित किया जाएगा। जिले में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट में उद्योगपतियों व निवेशकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में अभी तक 948.75 करोड़ रुपए के 76 एमओयू किए गए हैं।

न्यूज इनबॉक्स

शेयर बाजार फिर फिसला

द पुलिस पोस्ट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार का मूड सुधरने का नाम ही नहीं ले रहा। लगातार दूसरे दिन प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 318.76 (0.38%) टूटकर 81,501.36 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला व्यापक सूचकांक एनएसई निफ्टी 86.05 (0.34%) अंक फिसलकर 25000 के नीचे पहुंच गया और 24,971.30 पर बंद हुआ।

विदेशी पूंजी निकासी और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आईटी और ऑटो शेयरों में बिकवाली से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स फिर फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ 318.76 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 81,501.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 461.86 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 81,358.26 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 86.05 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,971.30 पर बंद हुआ।

तीन दिन में 12 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, केंद्र हुआ सख्त

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली। देशभर में इन दिनों लगातार से एयरपोर्ट और विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां में बढ़ोतरी हो रही है। जो कि केंद्र सरकार के लिए एक चुनौती के तौर पर बन गई है। इसी बीच केंद्र सरकार ने केंद्र सरकार ने देशभर के हवाई अड्डों से आने वाली उड़ानों में स्काई मार्शल की संख्या दोगुनी करने का फैसला लिया है। इस मामले में गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी है कि एयरपोर्ट और विमानों में बढ़ते खतरे के आकलन और खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद स्काई मार्शल की संख्या दोगुनी करने का फैसला लिया गया है। काबिले गौर है कि पिछले तीन दिनों से अब तक कुल 12 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता सातवें आसमान पर चली गई है। हालांकि जांच में सभी धमकियां झूठी पाई गई हैं, लेकिन सरकार अब इस मामले में एक्शन मोड पर आती हुई नजर आ रही है। जिसको लेकर बुधवार को गृह मंत्रालय ने फर्जी बम धमकियों पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ चर्चा की। जानकारी के अनुसार नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के साथ नागरिक उड्डयन मंत्रालय के गहन चर्चा में निर्णय लिया गया कि एजेंसियां साथ मिलकर धमकी देने वालों की पहचान कर उन्हें नो-फ्लाई लिस्ट में शामिल करने किया जाएगा।इसके साथ ही चर्चा के बारे में अधिकारी ने आगे बताया कि फिया रिपोर्ट के आधार पर संवेदनशील श्रेणी में जोड़े गए।

केन्द्रीय उद्यमशीलता संयुक्त सचिव ने किया चूरू का दौरा

जल आन्दोलन को जन आन्दोलन बनाकर आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करें:उस्मान

द पुलिस पोस्ट

चूरू। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की संयुक्त सचिव व 'जल शक्ति अभियान' कैच द रैन 2024' की केन्द्रीय नोडल अधिकारी हेना उस्मान ने मानसून पश्चात जल शक्ति अभियान अन्तर्गत प्रगतिरत व पूर्ण कार्यों का निरीक्षण कर समीक्षा की। इस दौरान केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड व जल शक्ति मंत्रालय, जयपुर के तकनीकी अधिकारी वैज्ञानिक बी (भू-भौतिकी) डॉ. प्रेमप्रकाश डूकिया भी उनके साथ रहे।

नोडल अधिकारी उस्मान ने कहा कि जल संरक्षण की वर्तमान आवश्यकताओं को देखते हुए जल आन्दोलन को जन आन्दोलन बनाकर आमजन की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। अभियान को सफल बनाने के लिए जल संचयन के कार्यों में अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान चलाया जाए। उन्होंने जलग्रहण विकास व भू-संरक्षण के अधिकारियों के साथ बुधवार को चूरू ब्लॉक के सातड़ा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मंगलवार को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 अंतर्गत चूरू के रतनगढ़ ब्लॉक के रतनसरा के सुरजाणा पक्का जोहड निर्माण मय चारागाह विकास कार्य, तेजाणा जोहड निर्माण कार्य (मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान-2.0 प्रथम चरण) व बिरमाणा जोहड में सार्वजनिक जलकुण्ड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने चूरू ब्लॉक के सातड़ा व तारानगर ब्लॉक में जल संरक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया। उस्मान ने निरीक्षण के दौरान जल स्वच्छता समिति से चर्चा की व ग्रामों में जल वितरण प्रक्रिया का अवलोकन कर लाभान्वितों से चर्चा की।

बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

संयुक्त सचिव हेना उस्मान और जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को डीओआईटी वीसी सभागार में जल शक्ति अभियान अन्तर्गत संबंधित विभागों के अधिकारियों को बैठक में अभियान की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

संयुक्त सचिव उस्मान ने कहा कि सार्वजनिक डोमेन में व्यापक जल डाटा बेस और जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का आकलन कर समावेश किया जाए। अधिकारी जल संरक्षण, जल संवर्धन के लिए नागरिक व राज्य कार्य को बढ़ावा देकर प्रगति सुनिश्चित करें। अति शोषित क्षेत्रों सहित संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करें और जल संरक्षण व जल का उपयुक्त आवश्यक उपयोग करने के प्रैक्टिस विकसित करें। आमजन की जल उपयोग दक्षता में वृद्धि करें और जमीनी स्तर पर एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन को बढावा दें। उन्होंने अधिकारियों को जिले में जल शक्ति केन्द्र के लिए एक डेडिकेटेड टीम के गठन के साथ आमजन की पहुंच जल शक्ति केन्द्र तक सुगम करने के लिए आवश्यक दिशा सूचक बोर्ड लगाने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को अपने- अपने विभाग से संबंधित अर्जित प्रगति का पूर्ण संकलन कर विभागवार पोर्टल पर प्रगति दर्ज करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिला परिषद स्थित जल शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने संयुक्त सचिव की ओर से दिए गए निर्देशों की समयबद्ध व समुचित पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के महत्व के बारे में आमजन को जागरूक करें तथा उनके नियमित अभ्यास में जल संरक्षण को शामिल करें। जल संरक्षण के लिए हमारी प्रतिबद्ध प्रयास भौगोलिक स्तर पर सहयोगी साबित होंगे।

इस दौरान तकनीकी अधिकारी वैज्ञानिक-बी (भूभौतिकी) डॉ प्रेम प्रकाश डूकिया, एसीईओ श्वेता कोचर, एसीईओ दुर्गा ढाका, वाटरशेड एसई महेन्द्र सिंह, पीएचईडी एसई रमेश कुमार राठी, एक्सईएन महेन्द्र कुमार, आत्मा परियोजना निदेश दीपक कपिला सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

सालासर बालाजी के लख्खी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

द पुलिस पोस्ट

सालासर। सालासर बालाजी के वार्षिक लख्खी मेले में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। बालाजी के प्रति श्रद्धा ऐसी की सुबह तीन बजे से कतार में लगकर घंटो इंतजार के बावजूद भी दर्शनों के लिए बेताब भक्तों ने मन्नत मांगी।शरद पूर्णिमा के तहत भरने वाले लक्खी मेले मे मंगलवार को हजारों श्रद्धालुओ ने बालाजी महाराज के दर्शन किए। देश के कौने- कौने से श्रद्धालु सालासर पंहुचकर मनोकामना कर रहे है। सालासर धाम में लगातार बढ़ती श्रद्धालुओ की संख्या से शेखावाटी में पर्यटन व कारोबार को भी बढावा मिलता है। बालाजी महाराज के लक्खी मेले को लेकर दूर दूर से कारोबारी भी अपनी रोजी रोटी को लेकर सालासर पहुंचे। मंगलवार को श्रद्धालुओ की भीड़ को देखते हुए सुबह तीन बजे मंदिर के पट खोल दिए गए। दिनभर श्रद्धालुओ ने कतार में लगकर बालाजी महाराज के जयकारो के साथ दर्शन किए। सुबह तीन बजे से रात्रि नौ बजे तक हजारो श्रद्धालुओ ने बालाजी महाराज के सामने शीश नवाया। दूर दूर से आए हुए श्रद्धालुओ ने अपने साथ छोटे बच्चो का जडूले भी चढाए। सालासर में रतनगढ़ रोड पर भंडारे का फीता काटकर उद्घाटन किया अंजनी धाम के मैनेजर जीवराज सिंह शेखावत ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष की भव्य भंडारा लगाया गया है। दिनेश पुजारी व पुजारी परिवार के सदस्यों ने भंडारे का उद्घाटन किया है। यह भंडारा चार दिन के लिए चलता है जिसमें कोलकाता के पुरुषोत्तम अग्रवाल की ओर से यह भंडारा आयोजित किया जाता है।

राजनाथ, योगी, माया, आडवाणी सहित कई नेताओं की हटेगी एनएसजी सुरक्षा

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सहित नेताओं की एनएसजी सुरक्षा हट जाए तो चौंकिए मत, अब इनकी सुरक्षा सीआरपीएफ के हवाले की जाएगी। देश में आतंकी हमलों की धमकियों के बीच केंद्र सरकार ने वीआईपी सुरक्षा से आतंकवाद रोधी कमांडो बल %एनएसजी% को पूरी तरह से हटाने का आदेश जारी कर दिया है। साथ ही अत्यधिक खतरे वाले नौ वीआईपी की सुरक्षा की कमान अगले महीने से केंद्रीय सुरक्षा बल सीआरपीएफ संभालेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में संसद की सुरक्षा जिम्मेदारी से हटाई गई विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की बटालियन को सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा विंग से संबद्ध करने का फैसला लिया है। सूत्रों का कहना है कि जेड प्लस श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा वाले नौ वीआईपी की सुरक्षा अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो कर रहे थे।

इन नौ वीआईपी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला और आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं।

हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने, इसके लिये नायब सैनी सरकार काम करेगी- डॉ. पूनियां

हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने की गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां को बधाई दी

द पुलिस पोस्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने की देश के गृहमंत्री व भारत की राजनीति के चाणक्य अमित शाह ने भाजपा हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां को भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) में बहुत-बहुत बधाई दी, वहीं सतीश पूनियां ने अमित शाह का आभार जताकर हरियाणा जीत की बधाई दी।

अमित शाह का भाजपा कार्यालय पंचकुला (हरियाणा) आगमन पर भाजपा हरियाणा प्रभारी व भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया और हरियाणा में प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने की बधाई दी।

पूनियां ने पंचकुला में मीडिया से बातचीत में कहा कि, यह चुनाव हरियाणा और देश के लिए खास था। हरियाणा के लोगों ने भाजपा को अच्छा बहुमत एवं आशीर्वाद दिया। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि हरियाणा में अच्छा शासन हो, हरियाणा को अच्छी नीतियां दी जाएं और हरियाणा देश में सुशासन का रोल मॉडल बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 अक्टूबर को हरियाणा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में पंचकुला पधारेंगे, जिनको सुनने-देखने भारी संख्या में हरियाणा के कार्यकर्ता व आमजन आएंगे, ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का सतीश पूनियां और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने दशहरा मैदान पहुंचकर जायजा लिया।

सुप्रीम कोर्ट में 'लेडी ऑफ जस्टिस' की नई मूर्ति

आंख से पट्टी हटी, हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब; सीजेआई ने ऑर्डर देकर बनवाई

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 'लेडी ऑफ जस्टिस' यानी न्याय की देवी की नई मूर्ति लगाई गई है। इस मूर्ति की आंखों से पट्?टी हटा दी गई है, जो अब तक कानून के अंधे होने का संकेत देती थी। वहीं, उसके हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। यह मूर्ति सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस नई मूर्ति को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने ऑर्डर देकर बनवाया है। इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि देश में कानून अंधा नहीं है और यह सजा का प्रतीक नहीं है। पुरानी मूर्ति की आंख पर पट्टी ये दर्शाती थी कि कानून की नजर में सब बराबर हैं। जबकि तलवार अथॉरिटी और अन्याय को सजा देने की शक्ति का प्रतीक थी। हालांकि मूर्ति के दाएं हाथ में तराजू बरकरार रखा गया है, क्योंकि यह समाज में संतुलन का प्रतीक है। तराजू दर्शाता है कि कोर्ट किसी नतीजे पर पहुंचने से पहले दोनों पक्षों के तथ्यों और तर्कों को देखते और सुनते हैं। इस मूर्ति को ब्रिटिश शासन की विरासत को पीछे छोड़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हाल ही में भारत सरकार ने ब्रिटिश शासन के समय से लागू इंडियन पीनल कोड कानून की जगह भारतीय न्याय संहिता कानून लागू किया था। लेडी ऑफ जस्टिस की मूर्ति में बदलाव करना भी इसी कड़ी के तहत उठाया कदम माना जा सकता है।सीजेआई ऑफिस से जुड़े प्रमुख सूत्रों ने बताया कि सीजेआई का मानना है कि भारत को ब्रिटिश विरासत से आगे बढ़ना चाहिए।

दीपावली से पहले मोदी सरकार ने दिया कर्मचारियों को तोहफा

केन्द्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत बढ़ाने को केंद्र ने दी मंजूरी

द पुलिस पोस्ट

नई दिल्ली। सरकार के केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दिवाली का तोहफा देने की तैयारी कर ली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को अपनी बैठक के दौरान महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में 3% की वृद्धि को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। सरकार के इस फैसले का फायदा 48 लाख कर्मियों व 67 लाख पेंशनधारकों को मिलेगा। महंगाई भत्ता मूल वेतन के 50% से बढ़कर 53% हो जाएगा। हालांकि 9 अक्टूबर को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद महंगाई भत्ते में वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को इस फैसले के लिए थोड़ा और इंतजार करना पड़ा। इस नवीनतम वृद्धि के तहत महंगाई भत्ता मूल वेतन के 50% से बढ़कर 53% हो जाएगा। यह वृद्धि जुलाई 2024 से लागू होगी। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में अर्धवार्षिक संशोधन का प्रभाव लगभग एक करोड़ कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर पड़ता है।

इसका मकसद महंगाई के असर को कम करना है। बता दें कि मार्च में सरकार ने महंगाई भत्ते में 4% की बढ़ोतरी की थी, जो जनवरी 2024 से प्रभावी होगा, जिससे कुल महंगाई भत्ता मूल वेतन के 46% से बढ़कर 50% हो गई थी। इस भत्ते की गणना पिछले 12 महीनों के अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के औसत पर आधारित है, यह सरकारी वेतन और पेंशन के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, जब महंगाई भत्ता मूल वेतन का 50% हो जाता है, तो मकान किराया भत्ता समेत कई भत्ते स्वतः संशोधन के दायरे में आ जाते हैं।

कर्मचारियों को तीन महीने का एरियर भी मिलेगा

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने का एलान जुलाई से दिसंबर महीने तक के लिए किया गया है। ऐसे में कर्मचारियों को अक्तूबर महीने के वेतन के साथ जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने के एरियर का भी भुगतान किया जाएगा।

भाजपा की सक्रिय सदस्यता अभियान कार्यशाला आयोजित

प्राथमिक सदस्यता अभियान में भीलवाड़ा प्रदेश में दूसरे स्थान पर,यह ऐतिहासिक उपलब्धि - बगड़ी

सक्रिय सदस्यता अभियान को पूरी गंभीरता के साथ सफल बनाएं - पोरवाल

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा 16 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार भाजपा जिला संगठन द्वारा सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता, जिला संगठन प्रभारी रतनलाल गाडरी, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, जिला समीक्षा समिति प्रमुख एवं पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, महापौर राकेश पाठक के सानिध्य में हुआ। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित सक्रिय सदस्यता कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री श्रवण

सिंह बगड़ी ने भीलवाड़ा जिला संगठन को बधाई देते हुए कहा कि प्राथमिक सदस्यता अभियान में भीलवाड़ा जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा है, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने कहा कि सक्रिय सदस्यता अभियान को पूर्ण गंभीरता के साथ सफल बनाएं। उन्होंने सक्रिय सदस्यता को लेकर विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान की। सक्रिय सदस्यता के जिला समीक्षा प्रमुख पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी ने कहा कि सक्रिय सदस्यता की अनिवार्यता को पूरा करने वाले जिले के समस्त पार्टी के लिए समर्पित कार्यकताओं को सक्रिय सदस्य बनाना है। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने प्रारंभ में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा ने प्राथमिक सदस्यता में प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा इसका श्रेय भाजपा के सभी कार्यकताओं के साथ सदस्यता अभियान को संपूर्ण टीम को जाता है। जिला संगठन प्रभारी रतनलाल गाडरी ने सक्रिय सदस्यता के कार्य में जुट जाने का आह्वान किया। सदस्यता अभियान के जिला संयोजक अविनाश जीनगर ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जिले के सभी श्रमशील कार्यकताओं की मेहनत से ही भीलवाड़ा जिले को यह उपलब्धि हासिल हो सकी है। कार्यशाला में जिला महामंत्री भगवती प्रसाद जोशी, राजकुमार आंचलिया, जिला समीक्षा समिति सह प्रमुख अशोक सिसोदिया, गोपाल तेली, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल आचार्य, श्रीमती मंजू चेचाणी, प्रहलाद त्रिपाठी, जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोटरास, अमित सारस्वत, रेखा अजमेरा, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, अंकुर बोरदिया, महावीर समदानी, अजय नौलखा, अजीत सिंह केसावत, मीनाक्षी नाथ, भगवत सिंह राठौड़, इमरान कायमखानी, पूरण डीडवानिया, महेंद्र सिंह मीणा, शंकरलाल जाट सहित बड़ी संख्या में सदस्यता अभियान से जुड़े सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, संयोजक, प्रवासी उपस्थित रहे।

जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणी क्षेत्र का करवाचौथ सामूहिक उद्यापन 16 अक्टूबर को, बैनर का विमोचन किया

द पुलिस पोस्ट

जोधपुर। जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणी क्षेत्र द्वारा रातानाडा स्थित माहेश्वरी भवन में 20 अक्टूबर को करवाचौथ के सामुहिक उद्यापन का आयोजन होगा। अध्यक्ष रूचि राठी ने बताया कि 30 उद्यापन में लगभग 600 महिलाऐं एक साथ करवाचौथ की पूजा करके अपना व्रत पूरा करेगी। सचिव प्रमिला वैद्य ने बताया कि डॉ फूलकौर मूंदड़ा,सुमन बजाज, ममता बाहेती के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इस आयोजन के बैनर का आज विमोचन किया गया जिसमे रेनू मोदी, शीतल सोनी,जिला अध्यक्ष उषा बंग,संजू राठी, मंजू लोहिया, राजू मुथा,सुनीता ,सरिता चंडक,पायल करवा, निर्मला राठी, वंदना चंडक,आशा बाहेती,उषा बाहेती, बबीता राठी आदि मातृशक्ति सम्मलित हुई।

सर्दी की दस्तक:

लुढ़का रात का पारा, 11 शहरों में तापमान 20 डिग्री से नीचे; न्यूनतम पारा 5 डिग्री तक गिर सकता है

द पुलिस पोस्ट

जयपुर बारिश थमते ही सर्दी ने दस्तक दे दी है। मंगलवार रात 17 शहरों में रात का पारा 2 से 4 डिग्री तक लुढ़का। 11 शहरों में तापमान 20 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सबसे कम माउंट आबू में 15.0 और सीकर में 15.5 डिग्री रहा। सबसे ज्यादा 4.8 डिग्री गिरावट अंता बारां में रहा। यहां पारा 17.3 रिकॉर्ड किया गया। जयपुर में दिन का पारा 3ट बढ़ा और न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री लुढ़ककर 20.7 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग ने 2-3 दिन तापमान में उतार-चढ़ाव का अनुमान जताया है। 19-20 अक्टूबर तक कुछ शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे आ सकता है।

जेडीए और एनएचएआई की बैठक, कई महत्वपूर्ण फैसले लिए:

11 अंडरपास चौड़े होंगे, ड्रेनेज भी री-डिजाइन करेंगे; 16 किमी लंबे बायपास को भी दो जगह उतारेंगे

द पुलिस पोस्ट

जयपुर अजमेर रोड 200 फीट बायपास से 14 नंबर वीकेआई तक एक्सप्रेस के नीचे से गुजर रहे 11 अंडरपास की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। ये अंडरपास करीब एक्सप्रेस-वे के नीचे करीब 17 किमी में पड़ते हैं और उत्तर-पश्चिम शहर को पूर्व-दक्षिण छोर से जोड़ते हैं। यह निर्णय जेडीए और एनएचएआई की मीटिंग में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए लिया गया। इसके साथ ही बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए ड्रेनेज को भी री-डिजाइन किया जाएगा। एनएचएआई जल्द ही इस पर काम शुरू कर देगा।

एक्सप्रेस-वे के पैरेलल गुजर रही सर्विस लेन भी चौड़ी होगी

14 नंबर वीकेआई से 200 फीट बायपास तक पैरेलल गुजर रही सर्विस लेन की चौड़ाई भी बढ़ाई जाएगी। इससे सर्विस लेन पर जाम की समस्या से निजात मिलेगी। एनएचएआई धाबास पुलिया, छोटी पुलिया, गांधी पथ, करणी पैलेस, बजरी मंडी, सिरसी रोड पुलिया, कालवाड़ पुलिया, निवारू रोड, नांगल पुलिया, मुरलीपुरा और 5 नंबर अंडरपास पुलिया की चौड़ाई बढ़ाने के लिए सर्वे करेगा। एनएचएआई अधिकारियों ने जेडीसी आनंदी की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में एक्सप्रेस को लेकर कार्ययोजना बताई। एनएचएआई के अजय आर्य ने बताया कि विभिन्न अंडरपासों पर पीपीसी का कार्य करवाया जा रहा है।

200 फीट से 14 नंबर वीकेआई तक एक्सप्रेस-वे के नीचे स्थित ड्रेनेज लाइन जगह-जगह से टूट चुकी है और अंडरपास पर एक-दूसरे से कनेक्ट नहीं है। इससे बारिश के दौरान सभी अंडरपास में जलभराव की समस्या रहती है। इस समस्या से निजात के लिए एनएचएआई 200 फीट बायपास से 14 नंबर वीकेआई तक और कमला नेहरू नगर पुलिया से भांकरोटा तक पर ड्रेनेज को री-डिजाइन करेगा।

3 हैक्टेयर भूमि देगा जेडीए

200 फीट चौराहे पर एनएचएआई अंडरपास और फ्लाइओवर का काम जनवरी-25 से शुरू करेगा। इसके लिए जेडीए 3 हैक्टेयर जमीन देगा। आगरा रोड और अजमेर रोड पर निमार्णाधीन क्लोवर लीफ का दोनों विभागों के अधिकारी मिलकर दौरा करेंगे।

सुने मकान पर चोरों का धावा,पुलिस व्यवस्था पर लग रहे है सवालिया निशान

दिन दहाड़े घर से 24 तौला सोना व 8 किलो चांदी चुरा ले गए चोर

बेटी की शादी की तैयारियों को लेकर आभूषण इकट्ठा कर रहे थे पिता

राष्ट्रीय तैराक भतीजीतियों के दर्जनों मेडल्स भी चुरा ले गए चोर

द पुलिस पोस्ट

शाहपुरा,शहर में चोरों का आतंक इतना व्याप्त हो रहा है कि दिनदहाड़े एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने करीब 24 तौला सोना व 8 किलो चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। इसके साथ ही कर गृहस्वामी की राष्ट्रीय तैराक भतीजियों के दर्जनों मेडल भी चुरा ले गए। जानकारी अनुसार शहर के फुलिया गेट रोड पर मुख्य सड़क किनारे बने डेयरी सुपरवाइजर अमीन खान के मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने उक्त वारदात को अंजाम दिया। अमीन खान ने बताया कि सुबह 7 बजे वह अपने घर से फील्ड में चले गए। वहीं उनकी सास के अगले सप्ताह हज पर जाने की तारीख तय होने पर उनकी पत्नी व बच्चे भी उनसे मिलने के लिए पास ही के गांव भीमपुरा में मिलने गए हुए थे। इधर घर सुना ही था देर शाम फील्ड वर्क कर घर लौटने पर

उन्होंने जैसे ही घर का गेट खोलना चाहा वह खुला मिला। भौचक्के आमीन ने जैसे ही घर के अंदर प्रवेश कर कमरे में दाखिल होते ही उसके होश फाख्ता हो गए। यहां चोरों ने अलमारी तोड़कर उसमें रखे करीब 24 तोले सोने के जेवर और करीब 8 किलो चांदी के जेवरात सहित 1लाख नगद जो की हाल ही में खरीफ की फसल बेचकर आगामी रबी की फसल के खाद बीज खरीदने हेतु रखे हुए थे सभी को नदारद पाया। पास ही के पलंग पर बिखरा सामान देखकर वह बौखलाते हुए बाहर आकर चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही पड़ोसी एकत्रित हुए और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया। उधर घर की महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल हो गया पड़ोसी महिलाएं उन्हें ढाढस बंधाते नजर आई। इससे पूर्व भी शहर के मुख्य बाजार की कई दुकानों में हुई चोरियों की वारदातों का भी पुलिस द्वारा अब तक खुलासा नहीं होने से जहां एक और चोरों के हौसले बुलंद है वहीं दूसरी ओर आम जन में दहशत का माहौल है। विदित हो कि शाहपुरा जिला मुख्यालय पर पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस उपाधीक्षक एवं थाना अधिकारी के साथ ही दर्जन भर कॉन्स्टेबल पद भी रिक्त चल रहे हैं।

कुछ माह बाद बेटी की शादी के लिए आभूषण जुटा रहे थे अमीन

जानकारी अनुसार अमीन खान की बेटी की मार्च माह में ही सगाई का दस्तूर हुआ था तथा कुछ महीनो बाद ही शादी भी होना तय है। जिसको लेकर वह आभूषण की खरीदारी कर रहे थे इसके साथ ही उनके बड़े भाई के मकान का निर्माण कार्य उनके घर के ठीक पीछे चल रहा है। इसको लेकर उनके भाई व भाभी के आभूषण और उनके बुजुर्ग माता के आभूषण भी उन्हीं के घर पड़े हुए थे। चोरों ने सारे आभूषणों के साथ ही बेटी के सगाई में ससुराल पक्ष द्वारा भेंट की गई सोने की चेन अंगूठी भी चुरा ले गए।

राष्ट्रीय तैराक भतीजियों के मेडल भी चुरा ले गए चोर

अमीन खान के बड़े भाई के मकान का निर्माण कार्य जारी होने के कारण उनके सारे आभूषण व कीमती सामान अमीन के घर ही पड़े हुए थे। इन्हीं के साथ उनकी भतीजियों फिरदोश व फिजा जो की अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की तेराकी प्रतियोगिताओं में दर्जनों गोल्ड व सिल्वर मेडल जीती हुई थी, उन्हें भी चाचा के घर ही हिफाजत से रखे हुए थे चोरों ने उन पर भी हाथ साफ कर दिया।

नया प्लान किया गया तैयार:

उत्तरी रिंग रोड अब 107 किमी का होगा, अजमेर रोड से बनेगा, पहले 47 किमी आगरा रोड से चौंप तक था

द पुलिस पोस्ट

जयपुर एनएचएआई ने उत्तरी रिंग रोड का नया प्लान तैयार किया है। अब उत्तरी रिंगरोड 47 किमी की जगह 107 किमी लंबा होगा। पहले यह आगरा रोड बगराना से सीकर रोड के पास चौंप स्टेडियम तक प्रस्तावित था। अब इसे बढ़ाकर अजमेर रोड महापुरा तक कर दिया है। यहां से शुरू होकर सीकर रोड व दिल्ली रोड को जोड़ते हुए आगरा रोड तक पहुंचकर रिंग को पूरा करेगा। इसके साथ ही दक्षिणी और उत्तरी रिंग रोड जुड़ जाएंगे। बता दें कि 47 किमी लंबा दक्षिणी रिंग रोड तीन साल पहले शुरू हो चुका है। दक्षिण रिंग रोड की तर्ज पर ही उत्तरी रिंग रोड को विकसित किया जाएगा। फोरलेन सड़क 90 मीटर चौड़ी होगी और दोनों ओर 135-135 मीटर के कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। इसके लिए 10 तहसीलों के 294 गांवों की भूमि को अवाप्त किया जाएगा।एनएचएआई ने डीपीआर सलाहकार कंपनी द्वारा तैयार 294 गांवों की सूची भेजकर खसरा नक्शे सहित राजस्व रिकॉर्ड मांगा है, ताकि रिकॉर्ड मिलते ही भूमि अवाप्ति का कार्य शुरू किया जा सके। एक्सप्रेस हाईवे को इनर रिंग बनाएंगे, सांभर-फुलेरा दिल्ली रोड से जुड़ेंगे उत्तरी रिंग रोड बनाने के बाद अजमेर रोड हीरापुरा से सीकर रोड तक के एक्सप्रेस हाईवे को इनर रिंग रोड की तरह डवलप किया जाएगा।

सरकारी स्कूल की जमीन का बाहरी व्यक्ति को हो रखी नाजायज आवंटन को खारिज करवाने की मांग व कर्मचारी के द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत जिला कलेक्टर से की

द पुलिस पोस्ट

बीकानेर/बज्जू : फुलासर निवासी घमूराम बिश्नोई ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर के बताया कि राजस्व तहसील बज्जू के ग्राम पंचायत गोगड़ीयावाला में मेरे खेत में सरकारी स्कूल बनी हुई है और स्कूल के आसपास राज रखबा भी स्थित हैं जिस पर मेरा पुश्तैनी हक है जिसका दावा भी मेरा न्यायालय में चल रहा है और स्कूल की बिल्डिंग कई वर्ष पुरानी बनी हुई है जो स्कूल अभी मौके पर संचालित हो रही है और स्कूल की जमीन स्कूल के नाम राजस्व रिकॉर्ड में अधिकारियों की हठधर्मिता के चलते अभी तक दर्ज नहीं है जबकि मैंने स्कूल की जमीन को छोड़कर बाकी जमीन मेरे नाम आवंटन करवाने का प्रार्थना पत्र एसडीएम कार्यालय बज्जू में पेश किया तो कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी ने मेरे

नाम सरकारी भूमि आवंटन करने के लिए तीस हजार रुपए खुद के और एसडीएम के लिए कमीशन अलग से मांगा तो मेरे द्वारा मांगा गया कमीशन नहीं देने पर मेरे खेत में खाली पड़ा राज रखबा व स्कूल की बनी बिल्डिंग सहित समस्त सरकारी भूमि नोखा तहसील के व्यक्ति को नाजायज आवंटन कर दी जबकि राजस्व तहसील बज्जू के पटवार

हल्का गोगड़ीयावाला में पुरानी बनी सरकारी स्कूल की जमीन को पटवारी की गलत रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम ने भूमाफिया लोगों से मिलीभगत करके नोखा तहसील के व्यक्ति को नाजायज आवंटन कर दी और उस नाजायज आवंटन के इंतकाल की समस्त प्रक्रिया तुरंत ही करके आगे किसी अन्य स्थानीय व्यक्ति को रजिस्ट्री भी करवा दी

जिसकी शिकायत कुछ दिन पहले एसीबी में भी कर के दोषी कर्मचारी पर कारवाई व गलत हो रखा आवंटन खारिज करवाने की मांग की थी ओर इस गलत आवंटन को खारिज करवाने और जगह वापिस स्कूल के नाम दर्ज करने के लिए स्कूल के प्रधानाध्यापक ने कई बार एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिए लेकिन एसडीएम ने आवंटन खारिज की कोई

कारवाई नहीं की है जबकि बज्जू उपखंड कार्यालय में पिछले कुछ सालों से वन विभाग, नहर नर्सरी, सरकारी विभाग, उरमुल ट्रस्ट की जमीन भूमाफिया लोगों को नाजायज आवंटन कर रखी है अगर उसकी सही ढंग से जांच की जावे तो पूगल छतरगढ़ से भी ज्यादा जमीन का फजीर्वाड़ा बज्जू क्षेत्र में निकलकर के सामने आएगा ।

नगर निगम द्वारा हटाए गए अतिक्रमण एवं काटे गए गंदगी, पॉलीथिन के चालान

द पुलिस पोस्ट

नगर निगम द्वारा हटाए गए अतिक्रमण एवं काटे गए गंदगी, पॉलीथिन के चालान नगर निगम द्वारा शहर के मुख्य बाजार से अतिक्रमण हटाए जाकर सार्वजनिक संपत्ति को मुक्त कराया गया ,आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि सूचना केंद्र के सामने परिषद भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अस्थाई अतिक्रमण किया गया था जिसे निगम द्वारा हटाया जाकर निगम भूमि को मुक्त कराया गया है इसी के साथ गंदगी फैलाने वालों एवं सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग करने वालों पर भी कार्यवाही की गई एवं 86 चालान काटे गए इसी क्रम में गंदगी फैलाने वालों पर 6500 रुपये एवं सिंगल यूज पॉलिथीन रखने वालों पर ?3100 का चालान किया गया एवं 7 किलो सिंगल यूज पॉलिथीन जप्त की गई।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी आज भीलवाड़ा में

द पुलिस पोस्ट

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी दिनांक 17 अक्टूबर को एकदिवसीय प्रवास पर भीलवाड़ा आ रहे है। सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आज भीलवाड़ा में हरिशेवा धाम में बाबा शेवा राम जी के 108 वे प्राकट्य उत्सव कार्यक्रम के निमित प्रातः 11 बजकर30 मिनिट पर आएंगे। हरिशेवा में दर्शन कर सत्संग का लाभ लेंगे व दोपहर 1 बजे अजमेर प्रस्थान करेंगे

खेल मैदान में भरा पानी, बच्चे खेलने को तरसे

द पुलिस पोस्ट

रिपोर्टर प्रकाश भागनानी अरांई कस्बे अरांई की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बने खेल मैदान में दो फीट से अधिक पानी भरा होने से बच्चों के लिए खेलने की जगह नहीं है। स्कूल में बने खेल मैदान में पानी भरा होने से जहरीले सांप व अन्य कीड़े उत्पन्न हो रहे हैं परन्तु प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विधालय प्रशासन व शिक्षा विभाग ने ग्राम पंचायत व पंचायत समिति प्रशासन को अवगत करा दिया है। शिक्षा विभाग के सीबीईओ प्रेमचंद अजमेरा ने कहा कि खेल मैदान से एक बार पम्प सेट से पानी खाली करवा दिया गया था परंतु तालाब का पानी झरना चलने से पानी वापस भर रहा और पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है नाला भी बंद इसलिए पानी की निकासी नहीं हो रही है इस संबंध में पंचायत समिति और ग्राम पंचायत को सूचना दी गई थी परंतु स्थिति अभी तक वहीं बनी हुई है। वही बच्चों का कहना है कि खेल मैदान में भरा पानी शायद किसी भी अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में कौन उठाएगा ठोस कदम यह है सवालिया निशान।

जेल से लॉरेंस इंटरव्यू मामला:

आईओ को सुपरवाइजरी नोट:जयपुर पुलिस आईपी एड्रेस वेरिफाई के लिए पंजाब पुलिस से सर्टिफाई कॉपी लेगी

द पुलिस पोस्ट

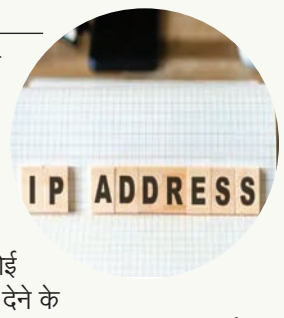

जयपुर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड व मुम्बई में पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से चर्चा में आए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई द्वारा जेल से इंटरव्यू देने के मामले की जांच के लिए अनुसंधान अधिकारी को सुपरवाइजरी नोट जारी किया गया है। जिसमें अनुसंधान के संबंध में कई बिन्दु बताए है। लॉरेंस द्वारा दिए गए इंटरव्यू को काफी समय हो गया। इसलिए पुलिस को संबंधित आईपी एड्रेस ट्रेस करने में परेशानी आ रही है। ऐसे में अब जयपुर पुलिस आईपी एड्रेस व अन्य तकनीकी बिन्दुओं की जांच के लिए पंजाब पुलिस की एसआईटी से सर्टिफाई कॉपी मांग सकती है। गौरतलब है कि मार्च 2023 में लॉरेंस ने एक टीवी चैनल को जेल से दो बार इंटरव्यू दिया था, जो 14 व 17 मार्च को प्रसारित हुआ था। गैंगस्टर के इंटरव्यू के संबंध में दर्ज केस की जांच के ?संबंध में अनुसंधान अधिकारी को सुपरवाइजरी नोट जारी किया है। ताकी आईपी एड्रेस की तस्दीक करवाई जा सके।

जिला कलक्टर ने राजस्व अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक,

राजस्व प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से करने के दिए निर्देश

किसानों को मिले पर्याप्त उर्वरक,जमाखोरी और कालाबाजारी पर हो कड़ी कार्रवाई

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अलर्ट मोड पर कार्य करें

द पुलिस पोस्ट

भीलवाड़ा, सभी राजस्व अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए बकाया राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय में निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर नमित मेहता ने यह बात बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक के दौरान कही। जिला कलक्टर ने बैठक में कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वृहद् स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों और कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए खाद के स्टॉक का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने किसानों के लिए डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी को प्रोत्साहित करते हुए सभी एसडीएम को इसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए। साथ ही रबी सीजन में उर्वरक एवं बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए किसानों को सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने उर्वरक की कालाबाजारी रोकने तथा इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

शुद्ध एवं मानक स्तर की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मिलावट के विरूद्ध चलेगा विशेष अभियान

त्योहारी सीजन को देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं मानक स्तर की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मिलावट के विरूद्ध चलेगा विशेष अभियान

त्यौहारी सीजन को देखते हुए जिला कलक्टर ने बैठक में सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी को मिलावट के खिलाफ विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर मेहता बैठक में बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए दूध, पनीर, मावा व इनसे बनी मिठाइयों, घी, तेल, मसाले आदि के उपयोग में वृद्धि के कारण मिलावट की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए आमजन को शुद्ध एवं मानक स्तर की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम स्तर तक मिलावट के विरूद्ध विशेष अभियान चलाने के सीएमएचओ को निर्देश दिए।

विशेष अभियान के तहत डिकॉय ऑपरेशन संचालित करते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने एवं बनाने वालों पर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने आदतन मिलावटखोरों की सूची तैयार कर अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

समान पात्रता परीक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हों सुनिश्चित

मेहता ने 22 से 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाली समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि लाखों परीक्षार्थियों का भविष्य इस परीक्षा में जुड़ा हुआ है, ऐसे में उनके लिए परीक्षा केन्द्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित कर ली जाएं।

जिला इनवेस्टर्स मीट को लेकर औद्योगिक संगठनों एवं उद्योगपतियों से करें चर्चा

जिला कलक्टर ने बैठक में कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक जयपुर में ह्यराइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024ह्ल का आयोजन किया जा रहा है। इससे पूर्व इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन भीलवाड़ा जिलें में 8 नवंबर को होटल ग्लोरिया इन में आयोजित किया जाएगा । इसमें निवेशकों के साथ एमओयू किया जाएगा। उन्होंने उपखंड अधिकारियों को उनके क्षेत्र के औद्योगिक संगठनों एवं उद्योगपतियों सार्थक चर्चा कर निवेश की संख्या बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि छोटे निवेश भी जिले में रोजगार के नवीन अवसर सृजित करने में अहम साबित होंगे।

दीपावली से पूर्व हो क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत

मेहता ने सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं यूआईटी सहित सभी नगर निकायों के अधिकारियों सहित सभी उपखंड अधिकारियों को दीपावली से पूर्व अपने क्षेत्र की सभी क्षतिग्रस्त सड़को की मरम्मत एवं पेचवर्क करवाने के निर्देश दिए। ऐसे में सड़क मरम्मत एवं पेच वर्क के कार्य को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए अलर्ट मोड पर कार्य करें

जिला कलक्टर ने कहा कि डेंगू, मलेरिया एवं स्क्रब टाइफस जैसी मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्य सरकार के निदेर्शानुसार पूरी सर्तकता के साथ अलर्ट मोड पर कार्य करें रही है। साथ ही सभी उपखंड अधिकारी आमजन को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार तत्परता के साथ निर्णय ले रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जलभराव क्षेत्रों में सघन फॉगिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएमएचओ को स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने और नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने बैठक में उपखण्डवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने आमजन को जमीन से जुड़े प्रकरणों में त्वरित राहत देने के क्रम में उपखण्ड अधिकारी को राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, रास्तों के प्रकरण, भूमि विभाजन प्रकरण के समयबद्ध निस्तारण के लिए निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में राजस्व अधिकारी भू-रूपांतरण सहित राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करें, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके। इसके लिए सभी राजस्व अधिकारी अपने न्यायालय में दर्ज राजस्व प्रकरणों में उल्लेखनीय कमी लाने का लक्ष्य निर्धारित करें एवं लक्ष्य हासिल करने के लिए ज्यादा से ज्यादा दावों की सुनवाई करें। बैठक में कलक्टर ने जिले में भू-आवंटन, औद्योगिक प्रयोजनार्थ भू-संपरिवर्तन, नामान्तरण, सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी एवं सहित सभी तरह के लम्बित राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक के दौरान एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा, एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रभान सिंह, उपमहानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक मोहम्मद ताहिर सहित जिले के सभी उपखंड अधिकारी और तहसीलदार सहित सभी राजस्व अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बाड़मेर जल्द खत्म होने वाला है बजरी संकट, खनिज विभाग ने कर दी नीलामी,मालामाल होगी सरकार

बाड़मेर-बालोतरा जिले से गुजर रही लूणी नदी में अब जल्द ही बजरी का खनन शुरू होगा। खनन शुरू होने के बाद बजरी संकट दूर होगा। खनिज विभाग ने 9 प्लाट की नीलामी कर दी गई है। पचपदरा क्षेत्र की दो लीज धारकों ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए भी आवेदन कर दिया गया है

इस बार अलग-अलग प्लाट की नीलामी हुई है। खनिज विभाग ने दो लीज की नीलामी होने के बाद उन्हें निरस्त कर दिया गया है, जिनकी दुबारा नीलामी होगी। इसके अलावा सिणधरी क्षेत्र की एक लीज ऑनलाइन प्रक्रिया में अटक गई है। हालांकि उसकी अंतिम बिड तो हो गई, लेकिन विभाग के पास फाइनल रिपोर्ट नहीं मिली है। ऐसे में प्रक्रियाधीन है

राजस्व 97.89 करोड़

राज्य सरकार को 9 लीज से 97.89 करोड़ रुपए का राजस्व मिलेगा। अब तक 24.98 करोड़ रुपए जमा हो गया है इसके अलावा सरकार को 51.30 रुपए प्रति टन रॉयल्टी भी मिलेगी

चर्चित है बालोतरा व सिणधरी का क्षेत्रः

बाड़मेर व बालोतरा जिला बजरी को लेकर लंबे समय से चर्चित रहा है। यहां अवैध बजरी का परिवहन ज्यादा रहा है। ऐसे में अब सरकार अलग-अलग बजरी लीज के पट्टे देकर अवैध बजरी पर रोक लगाने की कोशिश कर रही है। सिणधरी में पहली बार अलग-अलग चार लीज धारकों को पट्टे दिए गए हैं। इसको लेकर विभाग ने ई-नीलामी के विज्ञप्ति जारी की थी, इसमें अलग-अलग ठेकेदारों ने भाग ने प्लाट लिए है। अब प्रक्रिया पूरी होने के बाद बजरी का खनन शुरू होगा। 9 प्लाट की नीलामी हो गई है। दो ठेकेदारों ने पर्यावरण स्वीकृति के लिए आवेदन कर लिए गए है। इस बार पर्यावरण स्वीकृति राज्य स्तर पर मिल जाएगी इसके बाद खनन कार्य शुरू होगा तीन लीज प्रक्रियाधीन है

वेदप्रकाश, खनिज अभियंता, खनिज विभाग, बाड़मेर

आज शोभायात्रा निकालेगा वाल्मीकि समाज; परकोटे में शाम को रूट डायवर्ट

जयपुर शहर में गुरुवार शाम 5 बजे रामलीला मैदान से निकलने वाली वाल्मीकि समाज की शोभायात्रा के लिए पुलिस ने यातायात डायवर्ट प्लान जारी किया है। खास बात ये है कि शोभायात्रा रूट से ट्रैफिक तभी डायवर्ट किया जाएगा। रामनिवास बाग की ओर जाने वाले यातायात को यादगार तिराहा से टोंक रोड और मिनर्वा चौराहा से एमडी रोड होते हुए आरोग्य पथ तिराहा से रामनिवास बाग से निकाला जाएगा। त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता की तरफ जाने वाले यातायात को त्रिपोलिया गेट से छोटी चौपड़ की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। बड़ी चौपड़ से सांगानेरी गेट की तरफ आने वाले वाहनों को बड़ी चौपड़ से त्रिपोलिया, रामगंज बाजार से मिनर्वा होकर एमडी रोड की तरफ निकाला जाएगा। रामगंज चौपड़, सुभाष चौक, त्रिपोलिया गेट से बड़ी चौपड़ आने वाले यातायात को रामगंज चौपड़ से गलता गेट, सुभाष चौक, चार दरवाजा, त्रिपोलिया टी पॉइंट से चौड़ा रास्ता डायवर्ट किया जाएगा। छोटी चौपड़ पहुंचने से पूर्व चौगान चौराहा, चांदपोल बाजार, किशनपोल से छोटी चौपड़ की ओर आने वाले यातायात को चौगान चौराहा से यादगार तिराहा एमआई रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

अस्पताल के बाहर प्रसूता को लेकर चिल्लाते रहे परिजन,नजर नहीं आया कोई कर्मचारी

द पुलिस पोस्ट

रिपोर्टर प्रकाश भागनानी अरांई चिकित्सा विभाग प्रसव को लेकर बड़े बड़े दावे कर रहा है। सीएमएचओ और ब्लॉक सीएमएचओ अस्पताल में प्रसव करवाने को लेकर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ को हर बार पाबंद कर रहे हैं परंतु जब डॉक्टर या नर्सिंग कर्मचारी ही अस्पताल पर मौजूद नहीं हो तो क्या होगा ऐसा ही एक मामला सामने आया भांभोलाव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जहां पर प्रसूता को लेकर परिजन चिल्लाते रहे लेकिन अस्पताल में कोई भी डॉक्टर या नर्सिंग कर्मचारी नजर नहीं आया और मजबूरन उनको प्रसूता को अरांई लेकर आना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार भावसा निवासी सोनू बेरवा प्रसव पीड़ा से कराह रही थी और परिजन उसको लेकर भांभोलाव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां अस्पताल पर ताला लटका मिला उसके बाद परिजनों ने अस्पताल के बाहर कर्मचारियों को काफी देर तक आवाज लगाई यहां तक की परिजनों का कहना है कि कर्मचारियों के क्वाटर में भी तलाश की परंतु कोई कर्मचारी नजर नहीं आया जिस पर प्रसूता को लेकर परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अरांई पहुंचे तथा प्रसव करवाया । परिजनों ने इसकी जानकारी दूरभाष के माध्यम से तथा व्यक्तिगत रूप से मिलकर मीडिया कर्मियों को दी तथा भांभोलाव अस्पताल की स्थिति सुधारने की जरूरत बताई।

इनका कहना है -

मैंने अस्पताल की एएनएम और एक अन्य कर्मचारी से बात की है। कर्मचारी क्वार्टर में ही थे शायद परिजनों को पता नहीं होगा इसलिए उन्होंने उनको क्वार्टर से नहीं बुलाया था। फिर भी यदि लापरवाही है तो जांच करके कार्यवाही की जायेगी।

राजेश वर्मा ब्लॉक सीएमएचओ अरांई

नगर पालिका की हठधर्मिता

दो किलोमीटर लंबी सड़क साढ़े तीन साल बाद भी अधूरी

मुख्यमंत्री ,विधायक ,मंत्री एवं पालिका अध्यक्ष का पुतला फूंका

द पुलिस पोस्ट

गुरला (गुरला बद्री लाल माली) गंगापुर नगर पालिका की लापरवाही से साढ़े तीन साल से निमार्णा धीन दो किलोमीटर लंबी सहाड़ा चौराया सड़क नहीं बन पाई। नगर पालिका की हठधर्मिता के कारण व्यापारियों द्वारा अनेकों बार ज्ञापन दिए गए आंदोलन ,धरना प्रदर्शन अर्धनग्न प्रदर्शन, चक्का जाम किए गए परंतु सड़क नहीं बनाई गई। पालिका द्वारा बार-बार कम बजट होने का रोना रोया जाता है ।जबकि पिछले एक महीने में पालिका द्वारा करीब 3 करोड़ से ज्यादा के नए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं ।स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि दुकानों के आगे नाला निर्माण नहीं होने से चारों तरफ गंदगी फैल जाती हैं। पालिका द्वारा सफाई भी नहीं की जाती कचरा टेंपो नियमित नहीं आता है। पालिका प्रशासन द्वारा सड़क पर खड्डों में सूखी मिट्टी डाल दी गई। जिससे पूरी सड़क पर धूल मिट्टी उड़ने लगी व्यापारियों ने परेशान होकर बुधवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल ,सड़क परिवहन मंत्री ,सहाड़ा के भाजपा विधायक लादू लाल पितलिया और गंगापुर नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश चंद्र तेली का पुतला बनाकर जलाया गया और करीब 1 घंटे तक मुख्य रास्ते को जाम किया ।पुलिस प्रशासन द्वारा मौके पर व्यापारियों को समझा कर रास्ता खुलाया गया

बीएसएनएल : कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

निर्मल रानी

यदि बी एस एन एल में ही सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की साजिश के चलते और उनकी उद्योगपतियों व कॉपोर्रेट घरानों से मिली भगत के परिणाम स्वरूप इस पीएसयू की इतनी दयनीय हालत हो रही है तो ऐसे 'विभीषणों ' का भी बेनकाब होना बेहद जरूरी है। न केवल सरकार बल्कि स्वयं बीएसएनएल कर्मियों को भी इस बात पर नजर रखनी होगी कि भारत सरकार का यह लोकप्रिय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बी एस एन एल किन कारणों से अपने उपभोक्ताओं को समुचित सेवायें नहीं दे पा रहा है? बी एस एन एल, कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) का एक प्रमुख एवं लोकप्रिय उपक्रम है। बीएसएनएल का स्वामित्व दूरसंचार विभाग के पास है और दूरसंचार विभाग संचार मंत्रालय का एक हिस्सा है। भारत सरकार ही बीएसएनएल की 100% शेयर पूंजी का मालिक भी है। इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संचार मंत्रालय का कामकाज अश्विनी वैष्णव देख रहे हैं जोकि भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। हालाँकि भारतीय संचार क्षेत्र में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल तथा वोडाफोन आइडिया जैसे और भी कई छोटी व क्षेत्रीय निजी कम्पनीज सक्रिय हैं परन्तु इन सबसे प्रतिस्पर्धा होने के बावजूद आज भी बीएसएनएल को देश में सबसे अधिक उपभोक्ता रखने का गौरव हासिल है।

आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2024 तक बीएसएनएल के पास देश में लगभग 88.512 मिलियन मोबाइल फोन के ग्राहक थे। इसका मुख्य कारण यह भी था कि देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियों ने जून 24 में ही अपने अपने मोबाइल टैरिफ बढ़ा दिये थे। इनमें रिलायंस जियो ने जहां 27 जून को अपने टैरिफ में 12 से 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी वहीं भारती एयरटेल ने 8 जून को अपना टैरिफ 11 से 21 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था। इसी तरह वोडाफोन आइडिया ने भी 29 जून, 24 को अपना टैरिफ 10 से 24 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। इसी बढ़ोतरी के फौरन बाद ही बीएसएनएल में 2.93 मिलियन ग्राहकों की वृद्धि हुई। जबकि निजी दूरसंचार कंपनियों को अपने करोड़ों ग्राहकों से हाथ धोना पड़ा। उस समय बीएसएनएल ने पहली बार ग्राहकों की इतनी वृद्धि दर्ज की थी। जून- जुलाई 24 में बीएसएनएल ने लगभग 2.9 मिलियन उपयोगकर्ता अपने साथ जोड़े।

बीएसएनएल को ऐसा ही एक अवसर उस समय भी हाथ लगा था जबकि 2020-2021 में हुये किसान आंदोलन के समय पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के किसानों द्वारा 2020 में भारतीय संसद द्वारा पारित तीन कृषि अधिनियमों के विरुद्ध आंदोलन चलाया जा रहा था। उस समय किसान, अंबानी-अडानी द्वारा संचालित उद्यमों व उपक्रमों का भी विरोध कर रहे थे। किसानों का कहना था कि मोदी सरकार अंबानी-अडानी जैसे निजी उद्योगपतियों को फायदा पहुँचाने के लिये ही तीन कृषि अधिनियम लाई है। इसलिये किसानों द्वारा पंजाब, हरियाणा में रिलायंस जियो का भी बड़े पैमाने पर विरोध यहां तक कि बहिष्कार किया जा रहा था। रिलायंस जियो के तो कई मोबाईल टावर्स में भी उस समय तोड़ फोड़ की खबरें आई थीं। बहरहाल जिन उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए निजी कम्पनीज सैकड़ों हजारों करोड़ रुपए विज्ञापन या प्रलोभन में खर्च करती हैं वही उपभोक्ता बिना किसी प्रयास के बीएसएनएल को स्वयं ही मिल रहे थे इससे बड़ी लोकप्रियता की बात बीएसएनएल के लिये और क्या हो सकती है?

परन्तु चिंता का विषय है कि देश का सबसे बड़ा संचार नेटवर्क होने के बावजूद नेटवर्क और स्पीड दोनों ही मामलों में बीएसएनएल अपने में सुधार नहीं कर पा रहा है। उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल व हरियाणा यहाँ तक कि चंडीगढ़ में तो इसकी गति नाममात्र है। सवाल यह है कि देश का सबसे बड़ा व सबसे साधन संपन्न नेटवर्क व सबसे अधिक टावर्स रखने के बावजूद आखिर क्या वजह है कि गांव में तो दूर शहरों तक में इसके पूरे मोबाईल सिग्नल नहीं आ पाते? आज के युग में जबकि 5 -10 रुपये से लेकर लाखों रुपए तक की लेनदेन मोबाईल गूगल या पे फोन जैसे माध्यमों से की जा रही हो, ऐसे में अन्य निजी कम्पनीज की ही तरह बीएसएनएल का भी राष्ट्रव्यापी नेटवर्क तीव्र गति के साथ उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। परन्तु एक तरफ तो देशभक्ति का जज्बा रखने वाले ग्राहकों का बीएसएनएल की ओर आकर्षित होना और दूसरी तरफ बीएसएनएल द्वारा अपने ग्राहकों की जरूरतों और नेटवर्क व स्पीड की कमी के चलते उन्हें होने वाली परेशानियों की अनदेखी करना या इसका तत्काल समाधान न करना बीएसएनएल के ग्राहकों के मन में संदेह जरूर पैदा करता है।

दरअसल पिछले एक दशक से ऐसी तमाम खबरें आ रही हैं जिनसे यह पता चलता है कि सरकारें उद्योगपतियों व कॉपोर्रेट घरानों की हितैषी के रूप में काम कर रही हैं। जिसतरह विद्युत, रेल, बंदरगाह, इन्शुरन्स, बैंकिंग, तेल, गैस, कोयला, सैन्य सामग्री, विमानन व संचार जैसे अनेक क्षेत्रों में सरकारों की सरपरस्ती में उद्योगपतियों व कॉपोर्रेट घरानों का दखल बढ़ा है और देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इन उद्योगपतियों के लिये व्यवसायिक आधार तैयार कर कई देशों में इन्हें माइनिंग, बिजली व निर्माण आदि के ठेके दिलवाये गये हैं उन्हें देखकर यह संदेह होना भी स्वभाविक है कि कहीं बीएसएनएल को बदनाम करने व इसे कमजोर करने के लिये ही तो यह षड़यंत्र किसी बड़ी व सत्ता संरक्षित साजिश के तहत तो नहीं किया जा रहा?

यदि बीएसएनएल ईमानदारी से चाहे तो कम से कम समय में अपने उपभोक्ताओं को हो रही इन परेशानियों से निजात दिला सकता है। और यदि बीएसएनएल की ओर से पूरे देश के हर कोने तक अपना नेटवर्क व पूरा सिग्नल पहुंचा दिया जाये और उसकी गति में सुधार कर दिया जाये तो नि त रूप से निजी कम्पनीज की तरफ से अभी और भी करोड़ों उपभोक्ता अपना मुंह फेर लेंगे। परन्तु सत्ता में बैठे उद्योगपतियों के वे शुभचिंतक जो वास्तव में सरकार में उद्योगपतियों व कॉपोर्रेट घरानों के हितों के न केवल पैरोकार हैं बल्कि सच पूछिए तो उन्हीं के सीधे प्रतिनिधि के रूप में सत्ता में अहम पदों पर बैठे हुये हैं। ऐसे लोगों के सत्ता के शीर्ष पदों पर रहते क्या बीएसएनएल, प्रमुख निजी टेलीकॉम कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सकेगा? बीएसएनएल मोबाइल के मौजूदा नेटवर्क तथा उसकी मंद गति को देखकर इस बात पर संदेह होना स्वाभाविक है। और यदि बी एस एन एल में ही सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की साजिश के चलते और उनकी उद्योगपतियों व कॉपोर्रेट घरानों से मिली भगत के परिणाम स्वरूप इस पीएसयू की इतनी दयनीय हालत हो रही है तो ऐसे 'विभीषणों ' का भी बेनकाब होना बेहद जरूरी है। न केवल सरकार बल्कि स्वयं बीएसएनएल कर्मियों को भी इस बात पर नजर रखनी होगी कि भारत सरकार का यह लोकप्रिय केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बी एस एन एल किन कारणों से अपने उपभोक्ताओं को समुचित सेवायें नहीं दे पा रहा है? बी एस एन एल, कहीं भीतरघात का शिकार तो नहीं?

संपादकीय

सरकार का सख्त रुख

भारत और कनाड़ा के बीच कूटनीतिक टकराव ने नया मोड़.ले लिया है। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े. आरोपों के कारण भारत ने कनाड़ा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने से पहले उच्चायुक्त और कुछ अधिकारियों को कनाड़ा से वापस बुलाने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने कनाड़ा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट वीलर को तलब किया और स्पष्ट रूप से चेताया कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाया गया जो नई दिल्ली को पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हाल के वर्षों में दूसरा अवसर है जब किसी पि मी देश के राजनयिक को इस तरह की फटकार लगाई गई है। इससे पहले दिसम्बर, 2020 में भी कनाड़ा के राजदूत को विदेश मंत्रालय ने फटकार लगाई थी। उस दौरान कनाड़ा ने भारत के किसान आंदोलन को लेकर मानवाधिकारों के हनन की बात कही थी। इस बार भारत के सख्त रुख को लेकर विदेश नीति के जानकारों का नजरिया अलग-अलग है। एक मत यह है कि भारत ने कनाड़ा ही नहीं, बल्कि अमेरिका को भी संदेश दिया है। वस्तुतः खालिस्तानी अलगाववादी निज्जर को लेकर कनाड़ा और अमेरिका दोनों आरोप लगाते रहे हैं कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ है। इस संबंध में भारत ने कनाड़ा से सबूत मांगे हैं, लेकिन उसने कोई सबूत नहीं दिया। प्रधानमंत्री ट्रूड़ो सिखों के वोट के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगाते रहते हैं। जाहिराना तौर पर कनाड़ा के नेताओं के बयानों को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा गया था और विदेश मंत्रालय ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। हालांकि भारत और कनाड़ा के बीच व्यापक रिश्ते रहे हैं, लेकिन खालिस्तानी आंदोलन से जुड़े.सिखों द्वारा भारत में स्वतंत्र सिख राष्ट्र-राज्य की मांग के कारण दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। कनाड़ा में सिख आबादी खासी है। ट्रूड़ो राजनीतिक फायदे के लिए सिखों का समर्थन करते रहते हैं। इस बार मोदी सरकार के सख्त रुोख से दोनों देशों के कूटनीतिक रिश्ते खत्म होने के कगार पर हैं। वास्तव में पि मी देशों का सत्ता प्रतिष्ठान, सिविल सोसाइटी और मीड़िया का रुोख भारत की राष्ट्रवादी मोदी सरकार के प्रति अनुकूल नहीं रहा है। वे किसी न किसी मुद्दे को लेकर मोदी सरकार को निशाना बनाने की कोशिश करते रहते हैं। अब मोदी सरकार ने ऐने लोगों के प्रति 'भय बिन होए न प्रीति' की नीति अपनाई है।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवसः गरीबी के शर्म के कलंक को धोना होगा

अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हर साल 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरूआत 17 अक्टूबर, 1987 को हुई थी। उस दिन, पेरिस के ट्रोकाडेरो में एक लाख से ज्यादा लोग इक ा हुए थे। इस दिन को मनाने का मकसद, अत्यधिक गरीबी, हिंसा, और भूख से पीड़ित लोगों को सम्मानित जीवन उपलब्ध कराना है। इस दिवस की 2024 की थीम है, सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना, न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समावेशी समाज के लिए मिलकर कार्य करना। यह दिन गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर देता है। इस दिवस का मकसद गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनना, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करना और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर देना भी है। जो गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। गरीबी को खत्म करना सिर्फ. गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2022 के अंत तक विश्व की 8.4 प्रतिशत जनसंख्या, या लगभग 670 मिलियन लोग, अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे। अनुमान है कि वैश्विक जनसंख्या का लगभग 7 प्रतिशत लगभग 575 मिलियन लोग 2030 तक भी अत्यधिक गरीबी में फंसे रह सकते हैं।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत दस वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत में कुल 23 करोड़ गरीब हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नए विचारों एवं कल्याणकारी योजनाओं पर विमर्श के साथ गरीबों के लिये आर्थिक स्वावलम्बन-स्वरोजगार की आज देश को सख्त जरूरत है। गरीबों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने एवं उनके वोट बटोरने की स्वार्थी राजनीतिक मानसिकता से उपरत होकर ही गरीबमुक्त संतुलित समाज संरचना की जा सकती है।

गरीबी पहले भी अभिशाप थी लेकिन अब यह संकट और गहराया है। गरीबी केवल भारत की ही नहीं, बल्कि दुनिया की एक बड़ी समस्या है। गरीबी एक गंभीर बीमारी है, किसी भी देश के लिए गरीबी एक बदनुमा दाग है। जब किसी राष्ट्र के लोगों को रहने को मकान, जीवन निर्वाह के लिये जरूरी भोजन, कपड़े, दवाइयां आदि जैसी चीजों की कमी महसूस होती है, तो वह राष्ट्र गरीब राष्ट्र की श्रेणी में आता है। इस गरीबी से मुक्ति के लिये सरकारें व्यापक प्रयत्न करती हैं। हम जिन रास्तों पर चल कर एवं जिन योजनाओं को लागू करते हुए देश में समतामूलक संतुलित समाज निर्माण की आशा करते हैं वे योजनाएं विषम और विषभरी होने के कारण सभी कुछ अभिनय लगता है, छलावा लगता है, भ्रम एवं फरेब लगता है। सब नकली, धोखा, गोलमाल, विषमताभरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोक राज्य, स्वराज्य, सुराज्य, रामराज्य का सुनहरा स्वप्न ऐसी नींव पर कैसे साकार होगा? क्योंकि यहां तो सारे राजनीति दल एवं लोकतंत्र को हांकने वाले सब अपना-अपना साम्राज्य खड़ा करने में लगे हैं। विश्व की सारी संपदा, सारे संसाधन गरीबी को मिटाने में लगते तो आज स्थिति बहुत भिन्न होती, किन्तु बीच में सत्ता की लालसा एवं विश्व पर साम्राज्य स्थापित करने की महत्वाकांक्षाओं ने व्यवधान खड़े कर दिये। इसी कारण जो संपदा है, वह मानव को सुखी, संतुलित या सामान्य बनाने की दिशा में नहीं लगी, संहारक अस्त्रों के निर्माण, आतंकवाद एवं युद्ध की मानसिकता में लगी। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र को भयभीत रखने में अपनी ऊर्जा खपा रहा है, न कि गरीब इंसान की गरीबी दूर करने में।

आज का भौतिक दिमाग कहता है कि घर के बाहर और घर के अन्दर जो है, बस वही जीवन है। लेकिन राजनीतिक दिमाग मानता है कि जहां भी गरीब है, वही राजनीति के लिये जीवन है, क्योंकि राजनीति को उसी से जीवन ऊर्जा मिलती है। यही कारण है कि इस देश में सतहत्तर साल के बाद भी गरीबी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है, जितनी गरीबी बढ़ती है उतनी ही राजनीतिक जमीन मजबूती होती है। क्योंकि सत्ता पर काबिज होने का मार्ग गरीबी के रास्ते से ही आता है। बहुत बड़ी योजनाएं इसी गरीबी को खत्म करने के लिये बनती रही हैं और आज भी बन रही हैं। लेकिन गरीब खत्म होते गये और गरीबी आज भी कायम है। सरकारी योजनाओं की विसंगतियां ही है कि गांवों में जीवन ठहर गया है। बीमार, अशिक्षित, विपन्न मनुष्य मानो अपने को ढो रहा है। कह तो सभी यही रहे हैं--बाकी सब झूठ है, सच केवल रोटी है। रोटी केवल शब्द नहीं है, बल्कि बहुत बड़ी परिभाषा समेटे हुए है अपने भीतर। जिसे आज का मनुष्य अपनी सुविधानुसार परिभाषित कर लेता है। रोटी कह रही है-मैं महंगी हूँ तू सस्ता है। यह मनुष्य का घोर अपमान है। रोटी कीमती, जीवन सस्ता। मनुष्य सस्ता, मनुष्यता सस्ती। और इस तरह गरीब को अपमानित किया जा रहा है, यह सबसे बड़ा खतरा है। गरीब यानी जिसके पास धन उसकी जरूरत से कम हो या जो दो वक्त की रोटी की जुगाड़ नहीं कर सकता। जो अपनी बूढ़ी मां का इलाज नहीं करवा सकता। जो अपने बच्चों की फीस नहीं भरवा सकता।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

-ललित गर्ग

साइबर ठगी का बढ़ता दायरा, सज्जनों पर संकट

विजय कुमार जैन

आधुनिक संचार क्रांति के युग में मोबाइल एवं इंटरनेट जितने लाभदायक हैं उससे ज्यादा हानिकारक भी हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से भारत ही नहीं दुनिया में आए दिन साइबर ठगी की घटनाएं सुनने में आ रही है साइबर अपराध करने वालों की गैंग जानबूझकर ऐसे समय संबंधित को निशाना बनाते हैं जब वह विचार ही नहीं कर पाता और उनके द्वारा जितनी राशि की मांग की जाती है तत्काल उनके खाते में डाल देते हैं। इसके बाद पछतावा ही हाथ रहता है। मैं साइबर ठगी की कुछ घटनाओं का यहां पर उल्लेख करना चाहूंगा गुना जिले में श्री द्वारका प्रसाद शर्मा महिला बाल विकास विभाग में लिपिक हैं, इनको अपरिचित मोबाइल से फोन आया और मोबाइल नंबर का केवाईसी करने की बात कही ओटीपी पूछा और बैंक खाते से रू.16000 निकल लिये ।श्री बलवीर सिंह गुर्जर निवासी साडा कॉलोनी राघौगढ़ सेवानिवृत्त गुना तहसीलदार रीडर इनके पंजाब नेशनल बैंक शाखा साडा कॉलोनी राघौगढ़ के खाते में किसी ने रू.1 जमा किया उन्होंने जैसे ही मोबाइल खोलकर बैंक अकाउंट देखा उनके बैंक खाते से पहली बार रुपए 9970, दूसरे बार 9999 कट गए।

उन्होंने तत्काल बैंक शाखा में जाकर अपना खाता ब्लॉक कराया। रुठियाई तहसील राघौगढ़ निवासी रविंद्र सिंह परिहार के पास फोन आया और बताया कि आपका बेटा पुलिस थाने में बैठा है उन्होंने कहा कि मेरा बेटा तो नौकरी पर है उधर से कहा आपका बेटा एक लड़की के साथ होटल में अनैतिक कार्य करते हुए पकड़ा गया है। अपने बेटे को बचाना है तो तत्काल तीन लाख रुपए खाते में डालो। उन्होंने अपनी पत्नी से कहा बेटे को फोन लगाओ। उन्होंने बेटे से पूछा कहां हो बेटे कहा कि मैं तो ऑफिस में हूं फिर उन्होंने जिनका फोन आया था बेटा का फोन कनेक्ट कर बात करवायी। बेटे ने उनसे भला बुरा कहा तब फोन काट दिया।एक सेवानिवृत अधिकारी जिनकी लड़की इंदौर में पढ़ती है घटना चार माह पुरानी है उनके पास फोन आया आपकी बेटी थाने में बैठी है अनैतिक स्थिति में होटल में पकड़ी है उन्होंने दूसरे नंबर से बेटी को फोन लगाया बेटी कॉलेज में थी फोन बंद था इस कारण बात नहीं हो सकी। जिनका फोन आया था उन्होंने कहा अपनी बेटी को बचाना चाहते हो तो तत्काल रू 6 लाख रुपए खाते में डालो घबराहट में उन्होंने तीन लाख रुपये खाते में भेज दिये ।फिर लड़की का फोन आया कि पापा जी फोन क्यों किया। तब उन्होंने सारी घटना बतायी। उनके साथ साइबर ठगी हो गई ।मैं स्वयं भी साइबर ठगी से होते-होते बचा फोन आया मेरे से कहा कि आपके मोबाइल नंबर की केवाईसी होना है मैंने उनसे कहा मेरा नंबर तो एयरटेल का है अब बी एस एन एल में केवाईसी क्यों हो रही है तो उधर से जवाब आया आपकी सिम पुरानी है पहले बी एस एन एल की थी ।इसलिए आपको 24 घंटे के अंदर केवाईसी करना आवश्यक है अन्यथा सिम बंद हो जाएगी ।मैंने उनसे पूछा कि मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कि हम आपको एक प्रोफार्मा भेज रहे हैं उसमें हम जो जानकारी पूछे उनका आप मोबाइल चालू रखकर हमें जवाब देते जाएं। मैंने उनके कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए थोड़ी देर बाद मेरी पौत्री 14 वर्षीय तन्वी जैन मेरे पास आई और बोली दादाजी मुझे ऐसा लग रहा है आप साइबर ठगी के शिकार होने वाले हैं। आप तत्काल इस नंबर को काट दें और इस नंबर को ब्लॉक कर दें। इस प्रकार में साइबर ठगी से बच पाया । साइबर ठगी की ही यह घटना मेरे मित्र श्री राघवेंद्र सिंह परिहार सेवानिवृत्ति कृषि अधिकारी राघौगढ़ ने मुझे बताया मैं ऑनलाइन दवाइयां मंगाता था। उनके लिए अपरिचित नंबर से फोन आया और कहा कि आप जिस कंपनी से दवाइयां ऑनलाइन मांगते हैं उस कंपनी ने ड्रा निकाला है ड्रा में आपके नाम कार निकली है आपको बधाईयां।परिहार जी ने उनसे पूछा मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कार तो हम आपके लिए कोलकाता में डिलीवरी दे देंगे या फिर आप कहेंगे तो आपके निवास पर पहुंचा देंगे। आपको मात्र इतना करना है आप रजिस्ट्रेशन के पैसे हमारे खाते में डाल दो ।उन्होंने कहा मेरा भतीजा कोलकाता में ही सर्विस में है वह आपसे मिलेगा कहां मिलना है पता आप मुझे भेजिए दूसरी ओर से पता नहीं आया और वह साइबर ठगी से बच गये। पिछले माह एसिया

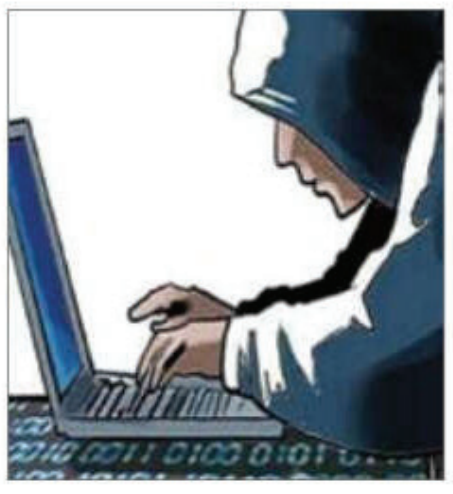

के बड़े उद्योग पति ओसवाल ग्रुप लुधियाना के मालिक की भारत की संभवतः अभी तक की सबसे बड़ी सायवर ठगी हुई। यह ठगी साढ़े सात करोड़ रुपये की थी। इस सायवर ठगी का समाचार देश के अनेक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। वर्तमान में साइबर ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है आम भोले भाले नागरिक उनके जाल में फंसकर अपना नुकसान कर रहे हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग करते समय हर व्यक्ति की जागरूकता आवश्यक है के वाई सी के झांसे में ना आए ओटीपी ना भेजें।

(लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं)

दिल्ली के तापमान में गिरावट शुरू... हवा की गुणवत्ता में भी सुधार

नई दिल्ली । दिल्ली में तापमान में गिरावट शुरू हुई है। वहीं हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ है। इस बीच,पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। इस साल की शुरुआत से 15 अक्टूबर तक पराली जलाने की 2,399 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,791 घटनाएं दर्ज की गई थीं। दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के पहले चरण के तहत प्रतिबंध लागू हो गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सर्दियों में विशेष प्रदूषण रोधी उपायों के अंतर्गत ग्रैप के पहले चरण के तहत प्रतिबंध का उद्देश्य निर्माण स्थलों पर धूल को कम करना, उचित अपशिष्ट प्रबंधन और सड़कों की नियमित सफाई के माध्यम से प्रदूषण को नियंत्रित करना है ग्रेप के पहले चरण में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की सख्त जांच, बेहतर यातायात प्रबंधन और उद्योगों, बिजली संयंत्रों और ईंट भट्ठों में उत्सर्जन नियंत्रण को अनिवार्य बनाया गया है। इसके तहत 500 वर्ग मीटर या उससे ज्यादा के आकार के प्राइवेट कंस्ट्रक्शन और डेमोलिशन प्रोजेक्ट्स पर रोक। दिल्ली के 300 किलोमीटर के दायरे में पॉल्यूशन फैलाने वाली इंडस्ट्रियल यूनिट और थर्मल पावर प्लांटों पर कार्रवाई पटाखों के प्रोडक्शन, स्टोरेज, और बिक्री पर रोक। 10-15 वर्ष पुराने डीजल/पेट्रोल वाहन पर रोक। खुले में कचरा जलाने पर रोक। खुले स्थानों पर कूड़ा-कचरा फैलाने पर रोक।

मुंबई में 10 मंजिला इमारत में आग.... तीन की मौत, तीन घायल

मुंबई । मुंबई के अंधेरी वेस्ट में 10 मंजिला इमारत में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग में झुलसने से तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं, तीन अन्य लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान चंद्रप्रकाश सोनी (74), कांता सोनी (74) और 42 वर्षीय पेलुबेटा के रुप में हुई है। घायलों को कूपर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। फिलहाल अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों, हाइड्रेंट, टर्नटेबल सीढ़ी और एक एम्बुलेंस मौजूद हैं। आग एक आवासीय फ्लैट तक ही सीमित है और अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। फिलहाल आग पर काबू पाया जा रहा है।

मां ने रात में कंघी करने से रोका... बेटी फांसी पर झूली

शहडोल । माता-पिता का समझाना आज कल बच्चों को इतना बुरा लगाता हैं कि अपनी जान तक की परवाह नहीं करते। ऐसा ही कुछ मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से बेहद ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने बालों में कंघी करने से मां के द्वारा मना करने पर सुसाइड किया। मामला छत्तीसगढ़ बार्डर पर स्थित झिकबिजुरी चौकी क्षेत्र के पथरिया टोला के जंगल का है। ग्राम कुटेला के रहने वाली एक 20 वर्षीय युवती आरती उर्फ गुड्डी को मां ने देर शाम बालों में कंघी करने से मना किया। मां की यह बात युवती को इतनी नागवारा गुजरी कि वह नाराज होकर घर से बाहर निकल गई। इसके बाद पथरिया टोला के जंगल में एक पेड़ में फांसी का फंदा बनाकर झूल गई। हालांकि पुलिस को घटनास्थल के पास कुछ आपत्तिजनक चीजें भी मिली है, जिससे ऐसा लग रहा है कि युवती के सुसाइड की वजह कुछ और भी हो सकती है। फिलहाल युवती के सुसाइड का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। वहीं, मामले में शहडोल एडिशनल एसपी अभिषेक दिवान का कहना है कि युवती के सुसाइड की जानकारी लगने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है। प्रथम दृष्टया मृतका की माता द्वारा बताया गया है कि रात में कंघी करने से मना किया था जिसके बाद वह कही चली गई। इसके बाद उसका फांसी के फंदे झूलता शव मिला है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के ग्राउंड वॉटर में मिला यूरेनियम, खतरनाक बीमारियों का बड़ा खतरा

रायपुर। एक रिसर्च में छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ग्राउंड वाटर में जहरीले यूरेनियम की खतरनाक मात्रा का खुलासा हुआ है। दुर्ग, राजनांदगांव, कांकेर, बेमेतरा, बालोद और कवर्धा के कई गांवों के पानी में यूरेनियम की मात्रा तय मानक से तीन गुना ज्यादा पाई गई है। भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) के रसायनशास्त्र विभाग की इस रिसर्च में पाया कि पानी में यूरेनियम की मात्रा 30 पीपीबी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए, लेकिन इन इलाकों के पानी में यह मात्रा 86 से 105 पीपीबी पाई है। इससे अगले कुछ सालों में कैंसर, किडनी और त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा हो सकता है। बीआईटी की टीम ने 6 जिलों के गांवों में पानी के सैंपल की जांच की। बालोद जिले के देवतराई गांव का पानी सबसे ज्यादा दूषित पाया, जिसमें यूरेनियम की मात्रा 89 पीपीबी थी।

मुर्शिदाबाद में टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में तनाव, पुलिस बल तैनात

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में एक टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई इसके बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया है। मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दत्ता जब सुबह की मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां बरसाईं। हमलावरों ने दत्ता पर बहुत पास से सात गोलियां चलाईं। बताया जा रहा है कि गोली चलने की आवाज सुनकर लोग अपने घर से बाहर आ गए और देखा कि दत्ता खून से लथपथ थे। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहरामपुर में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वहीं पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है और हत्या के पीछे का कारण जानने की कोशिश कर रही है। वहीं हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जिला पुलिस अधिकारी ने बताया घटना की जानकारी हासिल करने स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नीतीश के साथ फिर गठबंधन के सवाल पर बोले तेजस्वी यादव, अब सवाल ही नहीं, उनका समय खत्म हो गया है

पटना (एजेंसी)। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन की अटकलों को खारिज कर दिया और दावा किया कि थके हुए जदयू अध्यक्ष के लिए समय आ गया है। जनवरी में जब कुमार अचानक भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में लौट आए तो यादव को उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में दिन-ब-दिन कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर डालें तो...ऐसा कोई विधानसभा क्षेत्र नहीं है, जहां हत्या, लूटपाट, अपहरण और बलात्कार जैसे अपराध नहीं होते हों।

राजद नेता ने दावा किया कि बड़ी मुश्किल से एफआईआर दर्ज होती है, जांच शून्य होती है, पीड़ित परिवार को कभी न्याय नहीं मिलता और आरोपी छूट जाता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति भयावह हो गई है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार अब बिहार नहीं चला पा रहे हैं, थक चुके हैं, उनकी स्थिति हम देख सकते हैं। बांका जिले में पत्रकारों से बात करते हुए, राजद नेता ने उन्हें चुनौती दी कि वे केंद्र में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके जाति जनगणना करवाएं, साथ ही राज्य के लिए विशेष दर्जा और हाल की बाढ़ से तबाह हुए क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज भी हासिल करें।

एक सवाल के जवाब में, अब विपक्ष के नेता, यादव ने कहा अब नीतीश कुमार के साथ हाथ मिलाने का सवाल ही नहीं उठता। उनका समय समाप्त हो गया है। वह थक गए हैं और अब बिहार पर शासन करने में सक्षम नहीं हैं। विशेष रूप से, यादव की पार्टी, जिसका नेतृत्व उनके पिता लालू प्रसाद कर रहे हैं, की जद (यू) के साथ दो साझेदारियाँ रही हैं, दोनों ही अल्पकालिक रहीं। दोनों पार्टियों ने पहली बार 2015 में गठबंधन किया था, जब गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी, हालांकि कुमार दो साल बाद एनडीए में वापस चले गए।

योगी सरकार के मंत्री के नाम पर पोती कालिख, गेट पर लिख चोर-बेईमान !

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी में योगी सरकार के एक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के आवास पर चोर-बेईमान लिखा गया है। इतना ही नहीं उनके आवास पर राज्यमंत्री के नेम प्लेट पर कालिख तक पोत दी गई है। यह सबकुछ कांग्रेस के नेताओं ने किया। दरअसल, कांग्रेस के नेता आक्रोशित हैं। बताया जा रहा है कि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की तरफ से कांग्रेस नेता एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर टिप्पणी की गई थी। जिसके विरोध में राज्यमंत्री के घर पर चोर-बेईमान लिखा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह के आवास पर बुधवार को कांग्रेस नेता अनिल यादव पहुंचे। अनिल यादव ने सबसे पहले राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह के आवास पर चोर बेईमान लिखा, उसके बाद आवास पर लगे नेम प्लेट (नाम पट्टिका) पर कालिख पोत दी। खास बात यह रही कि यह सब करते हुये कांग्रेस नेता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि प्रियंका गांधी वायनाड से चुनाव लड़ने जा रही हैं, कांग्रेस ने उन्हें वायनाड लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। इसी पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने टिप्पणी कर दी। उन्होंने यह टिप्पणी अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर की है। उन्होंने लिखा है कि अन्ततः लड़की लड़ नहीं पाई और भाग ही गई वहां जहां लड़ना न पड़े। बूढ़ी जो हो गई। वहीं कालिख पोते जाने की जानकारी जब मंत्री के आवास पर मौजूद लोगों को हुई तो उन्होंने आनन-फानन में चोर-बेईमान लिखा हुआ को मिटा दिया है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले अजित पवार को लगा बड़ा झटका, एनसीपी के 600 से अधिक कार्यकर्ताओं ने छोड़ी पार्टी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। पुणे शहर इकाई से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 600 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। आक्रोशित कार्यकर्ता पुणे शहर अध्यक्ष दीपक मानकर को एमएलसी पद नहीं देने के राज्यपाल के फैसले का विरोध कर रहे थे। यह घटनाक्रम उसी दिन हुआ जब भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की।

मानकर के समर्थक मंगलवार शाम पुणे शहर के नारायणपेठ इलाके में राकांपा कार्यालय में एकत्र हुए और एक बैठक की, जहां उन्होंने अपने इस्तीफे की घोषणा की। सामूहिक इस्तीफे में शहर उपाध्यक्ष, विधानसभा क्षेत्र प्रमुख, विभिन्न सेल प्रमुख और पार्टी कार्यकर्ता जैसे प्रमुख नाम शामिल थे। विशेष रूप से, शहर इकाई ने राज्यपाल के कोटे से पार्टी को आवंटित तीन एमएलसी सीटों में से एक पर मानकर की नियुक्ति की मांग की थी। हालाँकि, राकांपा ने राजनीति में मौजूदा पारिवारिक संबंधों वाले लोगों को फिर से नामांकित करने का फैसला किया। उन्होंने निराशा और मोहभंग व्यक्त करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और डिप्टी सीएम अजीत पवार को सौंपने के लिए एक ज्ञापन भी तैयार किया।

उन्होंने कहा कि मानकर ने पुणे शहर में राकांपा को मजबूत किया है और इसलिए वह एमएलसी सीट के हकदार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस अपमान से भविष्य में पार्टी कमजोर होगी। अपने ज्ञापन में नेताओं ने कहा, 'हमें विश्वास था कि अजित पवार पार्टी कार्यकर्ताओं को न्याय दिलाएंगे। हालांकि, दीपक मानकर को एमएलसी सीट से वंचित कर हमारा भरोसा तोड़ दिया गया है।' इस बीच, एनसीपी पुणे शहर के उपाध्यक्ष दत्ता सागरे ने कहा, 'हमारे शीर्ष नेतृत्व द्वारा पुणे शहर के अध्यक्ष दीपक मानकर को राज्यपाल के कोटे से एमएलसी पद से वंचित किए जाने के विरोध में आज 600 पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।'

सलमान खान को माफ कर देगा बिश्नोई समाज... शर्तें मान लें

जोधपुर (एजेंसी)। बीते 26 साल से अभिनेता सलमान खान और बिश्नाई समाज के बीच तनातनी चल रही है। वजह ये है कि 1998 में सलमान खान ने काले हिरन का शिकार किया था। इससे विश्नाई समाज नाराज है। समाज का कहना है कि सलमान खान झूठ न बोलें, पानी छानकर पिए,भगवान बिष्णु का आराधना और प्रार्थना सहित 29 नियमों का पालन करें तो पूरा विवाद खत्म हो जाएगा।

फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान जोधपुर के कांकाणी गांव में काले हिरण के शिकार के मामले में सलमान खान सहित कई फिल्मी हस्तियों पर आरोप लगाए गए थे। यह मामला अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है, लेकिन अब सवाल उठता है कि क्या बिश्नोई समाज सलमान खान को माफ कर सकता है? अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया ने इस विषय पर अहम बयान दिया है।

देवेंद्र बूड़िया का कहना है कि अगर सलमान खान अपने कृत्य के लिए समाज से माफी मांगते हैं और मुकाम में आकर अपनी गलती को स्वीकार करते हैं, तो बिश्नोई समाज के 29 नियमों के तहत उन्हें माफ किया जा सकता है। बिश्नोई समाज के दसवें नियम में यह प्रावधान है कि गलती करने वाले को क्षमा किया जा सकता है। यह नियम समाज के धर्मगुरु भगवान जंभेश्वर जी द्वारा स्थापित किया गया था, जिसके अनुसार दया और क्षमा के भाव से अपराधी को माफ करने की व्यवस्था है।

बिश्नोई समाज प्रकृति प्रेम और शांति का प्रतीक माना जाता है, और अपने 29 नियमों के माध्यम से यह समाज न केवल धार्मिक अनुशासन बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को भी बढ़ावा देता है। महिपाल बिश्नोई, जो इस घटना से जुड़े रहे, ने बताया कि 1998 की उस रात गांव वालों ने गोली की आवाज सुनी थी और बाद में दो काले हिरणों का शव पाया गया। समाज के लोगों ने एक जिप्सी को घटनास्थल से भागते देखा, जिसमें सलमान खान और उनके साथी मौजूद थे। बिश्नोई समाज का मानना है कि प्रकृति और जीवों की रक्षा करना उनका धर्म है। हालांकि, देवेंद्र बूड़िया के बयान के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सलमान खान माफी मांगेंगे और क्या समाज उन्हें क्षमा करेगा।

इन नियमों का करना होगा पालन

सुबह स्नान करना और शुद्धता बनाए रखना, शील, संतोष, और शुद्धता का पालन करना,

सुबह-शाम संध्या और प्रार्थना करना, शाम को आरती करना और भगवान विष्णु के गुण गाना, सुबह हवन करना, पानी छानकर पीना और शुद्ध वाणी बोलना, ईंधन और दूध छानकर लेना,

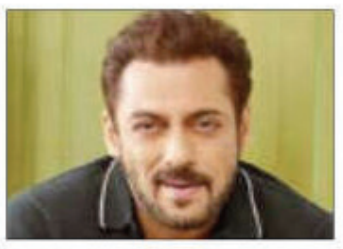

क्षमा और सहनशीलता का पालन करना, दया और नम्रता से जीवन जीना,

चोरी न करना, निंदा न करना, झूठ न बोलना, वाद-विवाद से बचना, अमावस्या का व्रत रखना, विष्णु भजन करना, सभी प्राणियों पर दया रखना, पेड़ों को नहीं काटना, अपने हाथ से खाना पकाना, बैल को बधिया (नपुंसक) न करना, नशे (अमल), तंबाकू, भांग और शराब का सेवन न करना, मांस का सेवन न करना, नीले रंग के कपड़े न पहनना।

अब मणिपुर में होगी शांति, मैतेई, कुकी और नगा के बीच बनी सहमति, केंद्रीय गृहमंत्रालय ने बुलाई थी विधायकों की बैठक

नई दिल्ली। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच शांति की पहली हुई। केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर मणिपुर के मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के 20 विधायक दिल्ली पहुंचे। बैठक पहले गृह मंत्रालय में तय थी, लेकिन बाद में उन्हें खान मार्केट स्थित आईबी दफ्तर ले जाया गया। मंगलवार को बैठक में आईबी के पूर्वोत्तर के संयुक्त निदेशक राजेश कांबले, बीजेपी के समन्वयक संबित पात्रा, केंद्र के सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा और अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में पहले कुकी, फिर मैतेई और बाद में नगा नेताओं से बातचीत की गई, जिसमें उन्होंने अपनी-अपनी मांगें केंद्र के सामने रखी। इसके बाद सभी नेताओं को एकत्रित कर संकल्प दिलाया कि मणिपुर में न तो कोई गोली चलेगी और न ही किसी की जान जाएगी। तीनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति जताई और एक-दूसरे से हाथ मिलाया। सूत्रों के मुताबिक मणिपुर में हालात को सुधारने के लिए नगा लोगों का अहम रोल था। राज्य में 2016 में सात नए जिले बनाए गए थे, जिन्हें कुकी बहुल कहा जाता है, हालांकि यहां नगा भी रहते हैं। नगा संगठन, यूनाइटेड नगा काउंसिल, इन जिलों को वापस लेने और 1972 की स्थिति को बहाल करने की मांग कर रहा है। 11 सितंबर को गृह मंत्रालय से 15 दिन में इस मुद्दे को हल करने की चेतावनी दी थी। कुकी जनजाति ने तीन मुख्य मांगें उठाई जिसमें सीएम एन. बीरेन सिंह को हटाना, कुकी इलाकों में अलग प्रशासन की मांग और हथियारबंद समूहों को गैर-कानूनी घोषित करना। इन मांगों पर अंतिम निर्णय कुकी काउंसिल की बैठक में लिया जाएगा, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बंगाल खाड़ी में उठा तूफान आज पुडुचेरी और नेल्लोर तट से टकराने की आशंका

कोलकाता(एजेंसी)। बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी में दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल गया है और गुरुवार सुबह पुडुचेरी और नेल्लोर के बीच तूफान के तट से टकराने की आशंका है और इससे दक्षिण तट और रायलसीमा के कई स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के गुरुवार सुबह पुदुचेरी और नेल्लोर के बीच तट के पास टकराने की उम्मीद है। तट के किनारे हवाएं चल रही हैं जिनके 40-60 किमी/घंटा की गति होने की उम्मीद है।

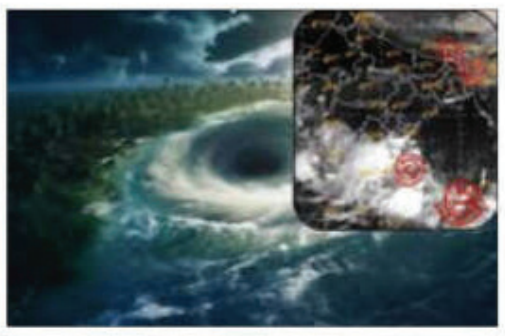

चेन्नई और तमिलनाडु के कई इलाकों में विगत दिवस हुई भारी बारिश से शहर में आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया। रिहायशी इलाकों और सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। बारिश के कारण यातायात थम सा गया है। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हो गईं और कई घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। दक्षिणी रेलवे ने जलभराव के चलते चेन्नई सेंट्रल-मैसूर कावेरी एक्सप्रेस सहित चार एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया गया है कुछ को चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से पहले ही रोक दिया था। कई घरेलू उड़ानें रद्द की गईं हैं क्योंकि पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं आए। आईएमडी के मुताबिक चिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र एक अवसाद में बदल गया है और गुरुवार सुबह चेन्नई तट को पार करने की उम्मीद है।

आईएमडी ने कहा कि तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और चेन्नई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश और एक या दो स्थानों पर मूसलाधार भारी बारिश होने की संभावना है। कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद बेंगलुरु में आपदा प्रतिक्रिया बल के जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी जरुरत के लिए 40 कर्मियों को तैनात किया जा रहा है। हमने तत्काल प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा है। शहर के नागरिक निकाय बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने आठ क्षेत्रों में 24 घंटे चालू रहने वाले विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं और बारिश से संबंधित समस्याओं की रिपोर्ट करने एक हेल्पलाइन नंबर 1533 भी चालू किया है। जिस पर सूचना दी जा सकती है।

तमिलनाडु में बारिश का दौर जारी, तटरक्षक दल कोअलर्ट पर रखा गया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों पर मौसम की बिगड़ती स्थिति के बीच भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को सक्रिय कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और राहत अभियान तेज कर दिया गया है। चेन्नई के कुछ क्षेत्रों में 20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई, जिसके कारण अधिकारियों को 15 और 16 अक्टूबर को स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। चेन्नई स्थित तटरक्षक के क्षेत्रीय मुख्यालय (पूर्व) ने हाई अलर्ट पर रहने के लिए 148 प्रशिक्षित कर्मियों वाली 29 आपदा प्रतिक्रिया टीमों (डीआरटी) को तैनात किया है।

इस बीच, 1,000 मानसून चिकित्सा शिविर भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें चेन्नई में 100 ऐसी सुविधाएं शामिल हैं। बारिश से संबंधित कार्यों में अधिकारियों की सहायता के लिए 13,000 से अधिक स्वयंसेवक आगे आए हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु में 65,000 स्वयंसेवक स्टैंडबाय पर हैं। तटरक्षक अधिकारियों के अनुसार, ये टीमें आपात स्थिति में तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए आवश्यक जीवन रक्षक और चिकित्सा गियर से लैस हैं, जो प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगों को महत्वपूर्ण बचाव और चिकित्सा सहायता प्रदान करती हैं।

29 डीआरटी में से 10 टीमों को विशेष रूप से चेन्नई में तैनात

किया गया है ताकि क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति के लिए त्वरित और स्थानीय प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। ये टीमें बाढ़ बचाव, चिकित्सा निकासी और आपातकालीन राहत वितरण सहित विभिन्न आपदा परिदृश्यों को संभालने के लिए तैयार हैं। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटों पर आईसीजी के रिमोट ऑपरेटिंग स्टेशन और जहाज तटीय अधिकारियों और स्थानीय समुदायों के साथ निरंतर संचार में रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर हरियाणा और पंजाब को फटकार लगाई

-आदेश का पालन नहीं हुआ तो मुख्य सचिव पर होगी अवमानना की कार्रवाई

-दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से लोग हो रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को लेकर हरियाणा और पंजाब को फटकार लगाई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि आदेश का पालन नहीं हुआ तो हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले आदेश का पालन नहीं किए जाने को लेकर बुधवार 16 अक्टूबर को हरियाणा और पंजाब सरकार को जबरदस्त फटकार लगाई है। कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा कि यदि उसके आदेश का पालन नहीं किया गया तो हरियाणा के मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि आखिर पराली जलाने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाने और नाममात्र को जुर्माना लगाकर लोगों को छोड़ने से राज्य क्यों कतरा रहा है? इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को एक सप्ताह का समय देने की बात कहते हुए कहा कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो मुख्य सचिव के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करेंगे। कोर्ट के इस सवाल पर कि आप लोगों पर मुकदमा चलाने से क्यों कतराते हैं? हरियाणा के वकील ने बताया कि हमने इस साल करीब 17 के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

कानून का उल्लंघन करने वालों पर एक भी मुकदमा नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने जहां यह कहा कि आयोग का कोई भी सदस्य वायु प्रदूषण से निपटने के लिए योग्य नहीं हैं वहीं इस बात को लेकर हैरानी भी जताई कि कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया गया यहां तक कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभी तक एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि सब कुछ महज कागज़ों पर चल रहा है। पराली जलाने वालों को रोकने में असफल रहने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के मुख्य सचिव को अगली सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश होने का आदेश भी दे दिया।

नाममात्र का जुर्माना और कुछ नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आप तो नाममात्र का जुर्माना ले रहे हैं। हद यह है कि इसरो आपको बता रहा कि आग कहां लगी थी और आप कहते हैं कि आपको कुछ नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि कानून उल्लंघन के 191 मामले आए और आपने सिर्फ नाममात्र का जुर्माना लिया। एनसीटी क्षेत्र अधिनियम के तहत आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना की गई है। इस पर हरियाणा सरकार की ओर से पेश हुए वकील ने गलती स्वीकार करते हुए कहा कि मैं अपनी ओर से हुई चूक या गलती को स्वीकार करता हूं। इस पर कोर्ट का कहना था कि यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है यदि मुख्य सचिव किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं तो उनके खिलाफ भी हम समन जारी करेंगे।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई और कहा कि पंजाब सरकार ने भी पराली जलाने पर रोक के आदेश पर कुछ नहीं किया। विगत 03 सालों में पंजाब ने एक भी व्यक्ति पर मुकदमा नहीं चलाया। नाममात्र का जुर्माना लगा रहे हैं और कुछ नहीं किया गया। धान की पराली जलाई जा रही है और आप वायु प्रदूषण निवारण अधिनियम 1981 के तहत कुछ करना ही नहीं चाहते। वायु लगातार प्रदूषित हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने पर रोक लगाने में असफल रहने पर पंजाब सरकार के मुख्य सचिव को भी अगले बुधवार 23 अक्टूबर को सुनवाई में अदालत में व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के आदेश दिए हैं।

पंजाब और हरियाणा को फटकार लगाने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी आदेश दिया कि हरियाणा और पंजाब के जिन अधिकारियों ने कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया उनके खिलाफ वो कारवाई करे। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण से लोगों का जीना मुहाल हो जाता है, ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने इस बार सख्ती दिखाई है, ताकि समस्या का समाधान निकाला जा सके।

एससीओ शिखर सम्मेलन का समापन

पीएम शहबाज शरीफ मेहमानों को पाकिस्तान बुलाकर मांगने लगे 'भीख', सबके सामने रोया गरीबी का रोना

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान में संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन का समापन हो गया। इस शिखर सम्मेलन के लिए इस्लामाबाद गए भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने वहां आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को एक बार फिर सख्त संदेश दिया। तो दूसरी तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस शिखर सम्मेलन में अपने देश की गरीबी का रोना रोने लगे। शरीफ यहां एक तरह एससीओ सदस्य देशों से मदद की भीख मांगते भी प्रतीत हुए। संघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में चीन, भारत, रूस, पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस शामिल हैं। इसके अलावा 16 अन्य देश पर्यवेक्षक के रूप में इससे जुड़े हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश की गरीबी का दुखड़ा सुनाया। उन्होंने कहा कि उनके देश ने गरीबी हटाने के मकसद से कई सेमिनार और वेबिनार कराए हैं।

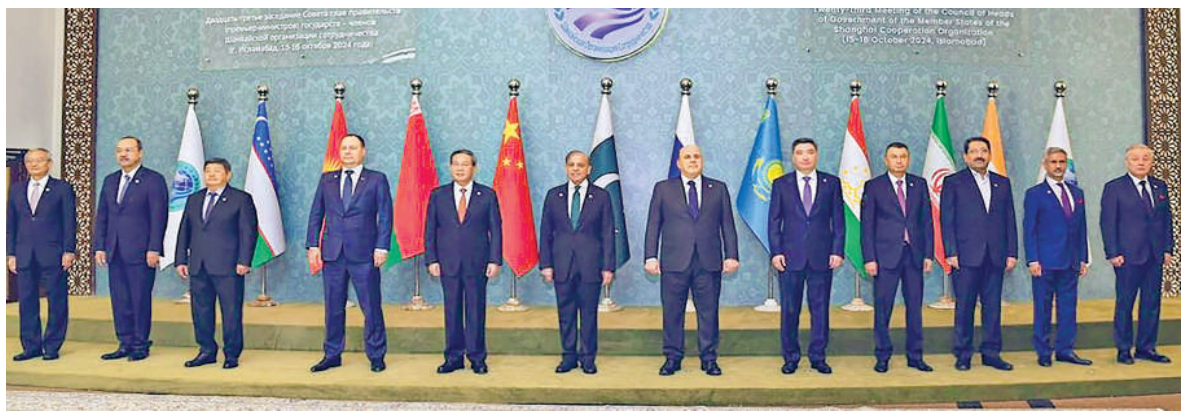

पाकिस्तान आर्थिक तरक्की चाहता

शहबाज शरीफ ने एससीओ बैठक में कहा कि पाकिस्तान शांति, सुरक्षा और सामाजिक आर्थिक तरक्की चाहता है। अफगानिस्तान हमारे साथ जमीनी सीमा साझा करता है इसलिए वहां शांति हमारे लिए जरूरी है। अफगानी जमीन का इस्तेमाल उसके पड़ोसियों के खिलाफ आतंकवाद के लिए नहीं होना चाहिए। शरीफ ने कहा कि एक मजबूत एससीओ के लिए बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत है। चीन और पाकिस्तान इकोनॉमिक कोरिडोर का विस्तार होना चाहिए। इस इलाके में कई लोग गरीबी में जी रहे हैं। इससे उनका विकास होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट को नैरो माइंड सोच के साथ नहीं देखना चाहिए।

30 अरब डॉलर का नुकसान हुआ

जलवायु परिवर्तन के बारे में बोलते हुए पीएम शहबाज शरीफ ने 2022 की विनाशकारी बाढ़ों को याद करते हुए कहा कि पाकिस्तान में लाखों लोग खुले आसमान के नीचे जी रहे थे, लाखों एकड़ खड़ी फ़सलें बह गई थीं, लाखों घर डूब गए थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 'बिना किसी गलती के' लगभग 30 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

- गरीबी पर सभी एससीओ देश ध्यान दें
- विनाशकारी बाढ़ से पाकिस्तान के लोग खुले में जी रहे
- सम्मेलन में 16 अन्य देश पर्यवेक्षक के तौर पर जुड़े

लाखों लोग गरीबी में जी रहे

एससीओ की 23वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यहां अपने देश की गरीबी का दुखड़ा सुनाया। पीएम शरीफ ने कहा कि गरीबी सिर्फ एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी है जिस पर सबको ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि एससीओ क्षेत्र में लाखों लोग गरीबी में जी रहे हैं। पीएम शहबाज ने कहा कि उनके देश ने गरीबी हटाने के मकसद से कई सेमिनार और वेबिनार कराए हैं। उन्होंने वादा किया कि हम अपने लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और गरीबी के मूल कारणों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयासों को जरूरी गति प्रदान करते रहेंगे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दस दिवसीय मैक्सिको और अमेरिका के दौरे पर

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को देंगी नया आयाम

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 17 से 20 अक्टूबर 2024 तक सबसे पहले मैक्सिको की यात्रा करेंगी। इसके बाद 20 से 26 अक्टूबर तक अमेरिका की यात्रा करेंगी। इन यात्राओं के दौरान उनके साथ वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी साथ होगा। वे मैक्सिको में आईटी दिग्गजों और वहां के सांसदों से आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दस दिवसीय मैक्सिको और अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर रहेंगी। वे 17 से 20 अक्टूबर 2024 तक सबसे पहले मैक्सिको की यात्रा करेंगी। इसके बाद 20 से 26 अक्टूबर तक अमेरिका की यात्रा करेंगी।

इन यात्राओं के दौरान उनके साथ वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी साथ होगा। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों की सकारात्मक दिशा को चिन्हित करेगी। ग्वाडलजारा में अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता करेंगी, जो ग्वाडलजारा में मौजूद प्रमुख भारतीय आईटी क्षेत्र के दिग्गजों सहित वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े दिग्गजों को एक साथ लाएगी।

बाद में सीतारमण ग्वाडलजारा में टीसीएस मुख्यालय का भी दौरा करेंगी- जो मैक्सिकन आईटी इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है और प्रमुख वैश्विक आईटी और तकनीकी कंपनियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ मैक्सिको की 'सिलिकॉन वैली' के रूप में जाना जाता है।

वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों से चर्चा करेंगी | कई बैंकों के सीईओ के साथ बैठक करेंगी

यूके, जर्मनी व स्विट्जरलैंड के साथ द्विपक्षीय बैठक

बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों की समूह चर्चा में हिस्सा लेंगी

केंद्रीय वित्त मंत्री यूनाइटेड किंगडम, स्विट्जरलैंड और जर्मनी सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगी, इसके अलावा विश्व बैंक (डब्ल्यूबी), एशियाई विकास बैंक (एडीबी), यूरोपीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (ईबीआरडी) के प्रमुखों और बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के सीईओ के साथ आमने-सामने की बैठकें करेंगी। केंद्रीय वित्त मंत्री विश्व बैंक समूह की चर्चा में भाग लेंगी।

छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत

गोलमेज में भाग लेंगी

न्यूयार्क शहर और वाशिंगटन डीसी के अपने दो शहरों के दौरे के समय केंद्रीय वित्त मंत्री न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में पेंशन फंड गोलमेज में भाग लेंगी। पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल और कोलंबिया विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगी। ग्लोबल सावरेन डेट राउंडटेबल (जीएसडीआर) में भाग लेंगी।

निवेश को सुविधाजनक बनाने पर चर्चा

सीतारमण अपने समकक्ष मैक्सिको के फाइनेंस एंड पब्लिक क्रेडिट मंत्री रोजेलियो रामिरेज डेलाओ के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करेंगी। आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मैक्सिको के संसद के कई सदस्यों के साथ भी चर्चा करेंगी। वे निवेश गंतव्य के रूप में भारत के आकर्षण को प्रदर्शित करके विदेशी निवेश को सुविधाजनक बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री भारतीय प्रवासियों द्वारा आयोजित एक सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेंगी।

आईएमएफ और जी20 की बैठक में होगीं शामिल

अमेरिका में निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, चौथी जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर (बैठकों के अलावा पर्यावरण मंत्रियों और विदेश मंत्रियों की जी20 संयुक्त बैठक और जी7-अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगी।

नाइजीरिया में अनियंत्रित होकर पलटा फ्यूल टैंकर

50 लोग गंभीर रूप से जख्मी इलाज जारी

पेट्रोल चुरा रही थी भीड़, एक धमाके में 94 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ एबूजा

नाइजीरिया में बड़ा हादसा हुआ है। पेट्रोल टैंकर में ब्लास्ट के बाद कम से कम 94 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके में 50 लोग गंभीर रूप से जख्मी भी हुए हैं। पेट्रोल टैंकर में ब्लास्ट की ये घटना उत्तरी नाइजीरिया के जिगावा राज्य के एक गांव के पास की है। जानकारी के मुताबिक, पेट्रोल का टैंकर हादसे का शिकार हो गया था।

चालक ने इस पर नियंत्रण खो दिया, जिस कारण टैंकर पलट गया। टैंकर से पेट्रोल इकट्ठा करने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी, तभी वहां ब्लास्ट हो गया। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता ने इस मामले में अधिक जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि टैंकर के पलटने के बाद स्थानीय लोग उसमें से पेट्रोल भरने लगे। तभी जोरदार ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। उन्होंने बताया कि हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। ये घटना बुधवार की बताई जा रही है। घटनास्थल पर शव बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं।

पिछले धमाके में हुई थी 48 लोगों की मौत

नाइजीरिया में ज्यादातर हादसे लापरवाही से ड्राइव करने, सड़कों की खराब स्थिति के कारण होती है। बीते महीने नाइजीरिया के उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में फ्यूल टैंकर और ट्रक की भिड़ंत हो गई थी। टक्कर के बाद धमाका हुआ था, जिसमें कम से कम 48 लोग मारे गए थे। नाइजीरिया के फेडरल रोड सेफ्टी कॉर्प्स के अनुसार, साल 2020 में ही पेट्रोल टैंकर के 1500 से ज्यादा मामले सामने आए थे। इन हादसों में 535 लोगों की मौत हो गई जबकि, 1,142 लोग घायल हो गए। फ्यूल टैंकर के साथ हुए हादसों के बाद लोग इनमें से पेट्रोल बटोरने में लग जाते हैं, इसलिए धमाकों में हताहतों की संख्या बढ़ जाती है।

जहरीली गैस की चपेट में आने से पांच कर्मचारियों की मौत

कांडला। गुजरात के कच्छ जिले के कांडला में इमामी एग्रो प्लांट में एक सुपरवाइजर समेत पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वे एक केमिकल टैंक की सफाई कर रहे थे। कच्छ (पूर्व) के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने बताया कि यह घटना बुधवार को प्लांट में करीब 12:30 बजे हुई। दुर्घटना के समय कर्मचारी अपशिष्ट उपचार संयंत्र की सफाई कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मृतकों में चार प्रवासी मजदूर थे, जबकि एक पाटन जिले का रहने वाला था। पुलिस और फैक्ट्री इंस्पेक्टर दोनों ने जांच शुरू कर दी है। इमामी एग्रोटेक लिमिटेड के प्लांट हेड मैनिक पाल ने कहा यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जांच चल रही है। हमने मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है।

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ी के साथ रेप

बागपत। यूपी के बागपत जिले की निवासी एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने गांव के युवक पर शादी का झांसा देकर देहरादून ले जाकर दुष्कर्म करने और न्यूड वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने बुधवार को देहरादून होटल जाकर जांच और सबूत एकत्र किए। बागपत पुलिस से की शिकायत में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने बताया कि कई साल पहले गांव के ही युवक से पहचान हो गई थी। उसने शादी करने का झांसा दिया और देहरादून एक होटल के कमरे में कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया।

जेमिमा को मिल रहीं दुष्कर्म की धमकियां

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पीटीआई प्रमुख इमरान खान की पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ ने उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। जेमिमा ने इमरान खान को जेल से रिहा करने, उनके परिवार से बात करने की अनुमति देने की मांग की। जेमिमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बीते कुछ वर्षों से पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी पीएमएलएन के समर्थकों द्वारा उन्हें सोशल मीडिया पर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें दुष्कर्म की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि पाक में विरोध को शांत करने के लिए इमरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई हुआ आरोप मुक्त

पंजाब एसआईटी ने दी राहत शिअद ने उठाए कई सवाल

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को जबरन वसूली के आरोपों से मुक्त कर दिया गया, लेकिन उस पर धमकाने की जांच जारी रहेगी। पंजाब पुलिस की विशेष जांच टीम ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर दर्ज मामले को रद्द करने के लिए कैंसिलेशन रिपोर्ट मोहाली की अदालत में दायर की है।

जबरन वसूली का कोई सबूत नहीं

विशेष डीजीपी प्रबोध कुमार और डीआईजी नीलांबरी विजय जगदाले की जांच में कहा गया है कि लॉरेंस आपराधिक धमकी में शामिल था, लेकिन यह एक गैर-संज्ञेय अपराध था। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि उसने जबरन वसूली की थी। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने पंजाब सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने जांच रिपोर्ट पर आप सरकार की आलोचना की, जिसमें गैंगस्टर को क्लीन चिट दी गई। उन्होंने कहा कि बिश्नोई पिछले हफ्ते मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में संदिग्ध है।

अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के माइकल रुबिन बोले

खालिस्तानी तत्वों से केवल कनाडा को ही नहीं, अमेरिका को भी बड़ा खतरा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत-कनाडा विवाद में अमेरिका की एंट्री हो गई है। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो और मिडिल ईस्ट फोरम में नीति विश्लेषण के निदेशक माइकल रुबिन ने तर्क दिया है कि खालिस्तानी तत्वों से केवल कनाडा को ही नहीं, अमेरिका को भी खतरा है। अमेरिका स्थित नेशनल सिक्योरिटी जर्नल में 'खालिस्तानी चरमपंथः अमेरिका और कनाडा में बढ़ता खतरा' नामक संपादकीय लेख में माइकल रुबिन ने कहा कि खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हिंसा की संस्कृति फैला रहे

रुबेन ने आगे तर्क दिया कि खालिस्तानी समर्थकों ने कई स्थानीय संस्थानों पर कब्जा कर लिया है और हिंसा की संस्कृति फैला रहे हैं। व्हाइट हाउस और विदेश विभाग कुछ कॉलेज परिसरों की बेतुकी हरकतों को नियंत्रित नहीं कर सकते। हर कारण की वैधता नहीं होती, लेकिन कुछ को गले लगाने से और अधिक हिंसा की संभावना होती है। खालिस्तानी समर्थक कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका में फैल रहे हैं।

मंदिरों में तोड़फोड़ पर चुप्पी क्यों?

उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग यह जानते हैं कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने सैन फ्रांसिस्को में भारत के वाणिज्य दूतावास पर दो बार हमला किया है। राष्ट्रीय मीडिया अमेरिका के चर्चों पर इस्लामी हमलों को घृणा अपराध बताता है, लेकिन जब खालिस्तानी चरमपंथी मेलविले, न्यूयॉर्क से लेकर सैक्रामेंटो, कैलिफोर्निया और हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ करते हैं, तो वे चुप क्यों रहते हैं।

केंद्र ने नाइक की याचिका पर जताई आपत्ति

सुप्रीम कोर्ट में कहा- वो भगोड़ा है तो अर्जी कैसे दाखिल की?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत से भगोड़ा घोषित और विवादित धर्म उपदेशक जाकिर नाइक की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अगले बुधवार तक टली दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में महाराष्ट्र सरकार से हलफनामा दाखिल करने को भी कहा है। अदालत में केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस आदमी (जाकिर नाइक) को भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

याचिकाकर्ता के याचिका पर हस्ताक्षर नहीं

तुषार मेहता ने कहा कि इस याचिका पर जाकिर के साइन नहीं हैं। एक घोषित भगोड़ा कैसे याचिका दाखिल कर सकता है? ये याचिका स्वीकार ही नहीं की जानी चाहिए। मुझे बताया गया कि वे याचिका वापस ले रहे हैं। कोई भगोड़ा व्यक्ति एफआईआर को चुनौती देने वाली याचिका कैसे दायर कर सकता है? उन्होंने कहा कि इस याचिका पर शुरुआती आपत्तियां हैं। रजिस्ट्री ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि याचिका याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर के बिना ही दाखिल की गई है।

टैक्सास कार दुर्घटना में 5 भारतीयों की हुई मौत

नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास के रैंडोल्फ के पास एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में आंध्र प्रदेश के तीन लोगों समेत पांच भारतीयों की मौत हो गई। कार में सवार छठा यात्री गंभीर रूप से घायल है। टेक्सास के पब्लिक सेफ्टी अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में साउथ बनहम से 10 किलोमीटर दूर दो वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। यह घटना अमेरिकी समयानुसार शाम करीब 6 बजकर 45 मिनट पर हुई। मृतकों में से तीन आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के मूल निवासी हैं। उनकी पहचान गुडूर शहर के तिरुमुरु गोपी, श्रीकालहस्ती के रजनी शिवा और हरि के रूप में हुई है।

संयुक्त राष्ट्र की महिला सशक्तिकरण की रिपोर्ट में खुलासा

दो अरब महिलाएं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे से बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र ने एक चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश की है। इसमें दावा किया गया है कि विश्वभर में दो अरब से अधिक महिलाओं व लड़कियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। महिला सशक्तिकरण मामलों के लिए यूएन संस्था (यून वूमन) ने 17 अक्तूबर को 'अंतरराष्ट्रीय निर्धनता उन्मूलन दिवस' से ठीक पहले प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में ये निष्कर्ष साझा किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवन के हर चरण व आयु वर्ग में निर्धनता का सामना करने वाले लोगों में महिलाओं व लड़कियों की संख्या सबसे अधिक है। बच्चों का लालन-पोषण करने वाले वर्षों में यह विसंगति सबसे अधिक नजर आती है। 25 से 34 वर्ष आयु वर्ग में, पुरुषों की तुलना में महिलाओं द्वारा अत्यधिक निर्धनता का सामना करने की संभावना 25 फीसदी तक अधिक होती है।

पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक निर्धन

171 देशों की एक हजार सामाजिक सुरक्षा योजनाएं चल रहीं

निर्धनता से जूझ रहीं महिलाएं

रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन और हिंसक टकराव के कारण यह असमानता बढ़ रही है। स्थायित्वपूर्ण देशों की तुलना में संवेदनशील हालात वाले क्षेत्रों में महिलाओं के अत्यधिक निर्धनता से जूझने की आशंका, साढ़े सात गुना तक अधिक होती है। 2022 के बाद से अब तक मुद्रास्फीति की ऊंची दर के कारण भोजन व ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है, जिसका महिलाओं पर विशेष रूप से असर हुआ है। इसके बावजूद, 171 देशों की सरकारों द्वारा अपनाए गए एक हजार से अधिक सामाजिक सुरक्षा उपायों में, केवल 18 प्रतिशत महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा पर लक्षित हैं।

मातृत्व योजनाओं का लाभ नहीं

एक अनुमान के अनुसार, विश्व भर में 63 फीसदी से अधिक महिलाएं मातृत्व योजनाओं के लाभ के बिना ही बच्चों को जन्म दे रही हैं। सब-सहारा अफ्रीका में यह आंकड़ा 94 फीसदी है। मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय समर्थन का अभाव है, जिससे महिलाएं आर्थिक दृष्टि से एक बड़ी चुनौती को झेलने के लिए मजबूर होती हैं। साथ ही, उन्हें अक्सर अपने व बच्चों के स्वास्थ्य व कल्याण के साथ समझौता करना पड़ता है और निर्धनता फिर कई पीढ़ियों तक जारी रहती है।

संक्षिप्त समाचार

हवाई हमले में मारा गया हमास एरियल यूनिट का प्रमुख : इजरायली सेना

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सैन्य और सुरक्षा एजेंसी ने कहा है कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमले में हमास की हवाई इकाई के प्रमुख की मौत हो गई। इजरायल की सेना और घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने एक संयुक्त बयान में इसकी जानकारी दी। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक सितंबर में युद्धक विमानों द्वारा किए गए हमले में हमास के हवाई अभियान के प्रमुख समर अबू दक्का की मौत हो गई। बयान के अनुसार, अबू दक्का कई ड्रोन हमलों में शामिल था और हमास के हवाई अभियान में केंद्रीय भूमिका निभाता था। पिछले साल एरियल यूनिट प्रमुख असिम अबू रकाबा के मारे जाने के बाद दक्का को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इजरायली सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि अबू दक्का 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल के खिलाफ हुए हमले में भी शामिल था। कथित तौर पर उसने दक्षिणी इजरायल में हमास के पैराग्लाइडर और ड्रोन अटैक यूनिट टीम को लीड किया था। उस अचानक हुए अटैक में 1,200 मौतें हुई थीं। जिसके बाद गाजा में जंग के हालात बने। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में जानकारी दी है कि गाजा पर इजरायली हमलों में अब तक 42,289 फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

आर्थिक विकास में चीन और अमेरिका से आगे निकल जाएगा भारत-यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष

वाशिंगटन/ नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने सोमवार को दावा किया कि भारत प्रमुख आर्थिक मापदंडों में चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल जाएगा। नई दिल्ली में यूएसआईएसपीएफ द्वारा आयोजित वार्षिक भारत नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2024 में बोलते हुए, चैंबर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति की तेज गति की तारीफ की। चैंबर्स ने कहा, महत्वपूर्ण क्षण वह था जब राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने वाशिंगटन में मुलाकात की और घोषणा की कि यह अब तक की सबसे रणनीतिक साझेदारी है। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने कहा, जीडीपी प्रति व्यक्ति आय वृद्धि के मामले में भारत चीन से लगभग 100 प्रतिशत और अमेरिका से 33 प्रतिशत बड़ा होगा। यहां जीवन स्तर और समग्र विकास दुनिया के किसी भी अन्य देश से आगे निकल जाएगा। चैंबर्स ने जोर देते हुए कहा, यह भारत की सदी है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर व्यापार, सरकार, शिक्षा जगत के लीडर्स के साथ काम करके भारत वैश्विक विकास के लिए एक मॉडल बन सकता है। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष ने आगे भविष्यवाणी की कि मजबूत अमेरिकी-भारत साझेदारी के माध्यम से, हम संभावित रूप से भारत की जीडीपी वृद्धि को दो प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ा सकते हैं और अमेरिकी जीडीपी वृद्धि को एक प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं। यूएसआईएसपीएफ शिखर सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की सफल यात्रा के बाद हो रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, सप्लाई चेन को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नेक्स्ट जेनरेशन टेक्नोलॉजी सहयोग को बढ़ावा देना है।

श्रीलंका में बारिश का कहर, तीन लोगों की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि मौसम की खराब स्थिति के कारण श्रीलंका में सोमवार सुबह तक तीन लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डीएमसी ने कहा कि श्रीलंका में सात अक्टूबर से भारी बारिश शुरू हुई और सोमवार सुबह तक देश भर के 12 जिलों में बारिश से उत्पन्न आपदाओं के कारण 34,492 परिवारों के 134,484 लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी जारी की है। श्रीलंका के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, साबरागमुवा, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी प्रांतों तथा गाले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिमी से अधिक भारी बारिश होने की संभावना है। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि श्रीलंका में बारिश से जुड़ी घटनाओं जैसे बाढ़, तेज हवाएं, पेड़ गिरने और बिजली गिरने के कारण 22 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया था कि सात अक्टूबर से शनिवार सुबह तक दक्षिण एशियाई देश के 11 जिलों में 5 हजार 348 परिवारों के 22 हजार 64 लोग विस्थापित हो चुके हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, पानी से भरे धान के खेत में एक व्यक्ति डूब गए। बता दें कि इसी साल जून में श्रीलंका में बाढ़ और बारिश से संबंधी घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य लापता बताए हो गए थे।

कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है- जस्टिन ट्रूडो

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा कभी भी कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और उनकी हत्या करने में विदेशी सरकारों की संलिप्तता को बर्दाश्त नहीं करेगा, उन्होंने इसे कनाडा की संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन करार दिया. एक बयान में, ट्रूडो ने भारत सरकार से कनाडा सरकार के साथ सहयोग करने और अब तक साझा किए गए सबूतों की विश्वसनीयता और गंभीरता को पहचानने का आग्रह किया. विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए हैं. हालांकि, कनाडा सरकार ने उनके कई अनुरोधों के बावजूद भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया है. 14 अक्टूबर को जारी एक बयान में, ट्रूडो ने कहा कि कनाडा एक ऐसा देश है जो कानून के शासन में निहित है, और हमारे नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है. इसीलिए, जब हमारी कानून प्रवर्तन और खुफिया सेवाओं ने विश्वसनीय आरोपों की जांच शुरू की कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे - तो हमने जवाब दिया. हमने भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को साझा

किया और उनसे इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालने के लिए हमारे साथ काम करने को कहा. साथ ही, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल किया है. उन्होंने आगे कहा कि आज, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों को देखते हुए, हम कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठा रहे हैं. उन्होंने आरसीएमपी आयुक्त माइक डुहामे के पिछले बयान के बारे में बात की, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कनाडा के पास सबूत हैं कि भारतीय सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल हैं और लगे हुए हैं जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करती हैं, जिसमें गुप्त सूचना एकत्र करने की तकनीक, दक्षिण एशियाई कनाडाई लोगों को लक्षित करने वाला बलपूर्वक व्यवहार और हत्या सहित एक दर्जन से अधिक धमकी भरे और हिंसक कृत्यों में शामिल होना शामिल है और उन्होंने इन कार्रवाइयों को अस्वीकार्य करार दिया. ट्रूडो ने कहा कि जबकि आरसीएमपी और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले पर भारत सरकार और भारतीय कानून प्रवर्तन समकक्षों के साथ काम करने का प्रयास किया है, उन्हें बार-बार मना कर दिया गया है. यही कारण है कि, इस सप्ताहांत, कनाडाई अधिकारियों ने एक असाधारण कदम उठाया. उन्होंने आरसीएमपी साक्ष्य साझा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि भारत सरकार के छह एजेंट आपराधिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले व्यक्ति हैं. भारत सरकार से बार-बार अनुरोध करने के बावजूद, उन्होंने सहयोग नहीं करने का फैसला किया है. यह देखते हुए कि भारत सरकार अभी भी सहयोग करने से इनकार कर रही है, मेरे सहयोगी, विदेश मंत्री, मेलानी जोली के पास केवल एक ही विकल्प था. आज, उन्होंने इन छह व्यक्तियों के लिए निर्वासन नोटिस जारी किया. उन्हें कनाडा छोड़ना होगा, उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कहा कि ये छह व्यक्ति अब कनाडा में राजनयिक के रूप में कार्य नहीं कर पाएंगे या कनाडा में फिर से प्रवेश नहीं कर पाएंगे. उन्होंने कहा कि आरसीएमपी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा बनी रहने वाली आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए यह आवश्यक है. उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा सरकार सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कनाडाई लोगों के अपने देश में सुरक्षित महसूस करने के अधिकार के लिए खड़ी होगी. उन्होंने कहा कि हम कनाडा की धरती पर कनाडाई नागरिकों को धमकाने और मारने में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे - यह कनाडा की संप्रभुता और अंतर्राष्ट्रीय कानून का गहरा अस्वीकार्य उल्लंघन है. कनाडा ने 13 अक्टूबर को एक राजनयिक विज्ञप्ति में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हत्या में भारतीय उच्चायुक्त की संलिप्तता का आरोप लगाया. भारत के विदेश मंत्रालय ने 14 अक्टूबर को कनाडा के आरोपों को बेतुका आरोप बताया और तर्क दिया कि यह मामला ट्रूडो सरकार के घरेलू मोर्चे पर सामने आ रही राजनीतिक चुनौतियों से जुड़ा है।

ईरान का इजराइल पर हमला करना पड़ा भारी, ब्रिटेन ने लगाया कड़ा प्रतिबंध

लंदन, एजेंसी। ईरान का इजराइल के खिलाफ हमला करना भारी पड़ा. ब्रिटेन ने इरान पर कई सख्त प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है. इसके तहत ब्रिटेन ने ईरान के सैन्य अफसरों और स्पेस एजेंसी पर बैन लगाया है. विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि बार-बार चेतावनी के बावजूद ईरान और उसके सहयोगियों की खतरनाक कृत्यों से मिडल ईस्ट में तनाव और बढ़े हैं. ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने सोमवार को कहा कि एक अक्टूबर को इजराइल पर ईरान के हमले के बाद उसके सैनिकों, रक्षा संगठनों और अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े संगठनों पर बैन लगाए गए हैं. नये प्रतिबंधों का लक्ष्य ईरान की सेना, वायु सेना तथा बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइल विकास से जुड़े संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी हैं.

मिसाइल बनाने से जुड़े संगठन पर बैन : ब्रिटेन ने क्रूज मिसाइल में इस्तेमाल किए जाने वाले हिस्सों और डिजाइन बनाने का काम करने वाले संगठन फरजानेगन प्रोपल्शन सिस्टम डिजाइन ब्यूरो पर भी प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है. इसके अलावा ईरानी अंतरिक्ष एजेंसी पर भी प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है. ये बैलेस्टिक मिसाइल तैयार करने में तकनीकी सहायता करती है. विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि ईरान और उसके समर्थक मिडल ईस्ट में तनाव को बढ़ावा रहे हैं. उन्होंने बयान में कहा कि इजराइल पर उसके बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हम ईरान को जवाबदेह ठहरा रहे हैं. इन कृत्यों में मदद करने वालों को बेनकाब कर रहे हैं. ईरान अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ अस्वीकार्य धमकियां दे रहा है. इसके खिलाफ पूरे क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए दबाव बनाने के लिए आवश्यक उपाय करना जारी रखेंगे।

अमेरिकी अस्पतालों में मेडिकल प्रोडक्ट्स की कमी, तूफान मिल्टन की वजह से सप्लाई चेन बाधित

सैक्रामेंटो, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में हेल्थ केयर प्रोवाइडर को मेडिकल प्रोडक्ट्स की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। तूफान हेलेन और मिल्टन ने इंट्रावेनस (आईवी) फ्लुइड्स की सप्लाई चेन को गंभीर रूप से बाधित कर दिया है। अमेरिका में सबसे बड़े अस्पताल-बेस्ड रिसर्च एंटरप्राइज, मास जनरल ब्रिघम ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह रविवार से कम से कम बुधवार तक गैर-आपातकालीन, वैकल्पिक प्रक्रियाओं को स्थगित कर देगा। इसने कहा कि यह साफ नहीं है कि आईवी फ्लुइड्स की आपूर्ति कब सुधरेगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हेल्थकेयर लॉजिस्टिक्स कंपनी प्रीमियर इंक की तरफ से गुरुवार को जारी एक सर्वे के अनुसार, देश भर में 86 फीसदी से अधिक हेल्थ केयर प्रोवाइडर आईवी फ्लुइड्स की कमी का सामना कर रहे हैं। यह स्थिति तब शुरू हुई जब पिछले महीने के अंत में तूफान हेलेन ने उत्तरी कैरोलिना में बैक्सटर आईवी प्लांट को नुकसान पहुंचाया। इससे देश की 60 फीसदी आईवी सॉल्यूशन सप्लाई निकट भविष्य के लिए ऑफलाइन हो गई। अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री जेवियर बेसेरा ने 9 अक्टूबर को स्वास्थ्य सेवा नेताओं को लिखे पत्र में कहा कि आने वाले हफ्तों में सप्लाई बाधित रह सकती है और तूफान मिल्टन पहले से ही कमजोर बाजार को और अधिक बाधित कर सकता है।

ताइवान की सीमा में घुसे 14 युद्धपोत और 153 विमान, मध्य रेखा के साथ ही चीन ने पार की हद

ताइपे, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए।

इतने विमान दिखाई दिए : ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी 14 नौसैनिक पोत और 12 आधिकारिक जहाज देखे गए। जबकि 153 सैन्य विमानों को उड़ान भरते देखा गया। सेना ने बताया कि 153 विमानों में से 111 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी।

हम स्थिति पर नजर रखे हुए- एमएनडी : ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज सुबह 153 विमान , 14 पोत और 12 जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 111 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की

मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं।

क्या है ग्रे जोन रणनीति : गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से ग्रे जोन रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे-धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

सनकी किंग किम जोंग उन ने द. कोरिया पर निकाला गुस्सा, अंतर-कोरियाई सारी सड़कें उड़ा दीं

प्योंगप्यांग, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन ने कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को अंतर-कोरिया सड़कों के उन उत्तरी हिस्सों को उड़ा दिया है जो अब उपयोग में नहीं हैं। दक्षिण कोरिया द्वारा उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन उड़ाए जाने के उसके दावे के बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को उड़ा दिया। इसमें कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई सेना अपनी तैयारी और निगरानी बढ़ा रही है लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी। इस कार्रवाई से एक दिन पहले उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलायी थी। बैठक में किम ने दक्षिण कोरिया द्वारा कथित तौर पर ड्रोन भेजे जाने को ''दुश्मन का गंभीर उकसावे वाला कदम बताया। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया द्वारा फिर से ड्रोन भेजे जाने पर उस पर हमले शुरू करने के लिए अपनी सैन्य इकाइयों को तैयार रहने के

लिए कहा था। दक्षिण कोरिया ने ड्रोन भेजे जाने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया तो उत्तर कोरिया को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। अंतर कोरियाई सड़कों को नष्ट करने की कार्रवाई, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की दक्षिण कोरिया के साथ संबंध समाप्त करने तथा उसे औपचारिक रूप से अपने देश का प्रमुख शत्रु घोषित करने की उनकी कोशिश के अनुरूप होगी। साल 2000 में अंतर-कोरियाई संबंधों में नरमी के दौरान दोनों देशों ने भारी किलेबंदी वाली अपनी सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से फिर से जोड़ा था। लेकिन उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और अन्य मुद्दों को लेकर बाद में उनका संचालन निलंबित कर दिया गया था। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर देगा और दक्षिण कोरियाई व अमेरिकी सेनाओं की ''उकसावे वाली कार्रवाई से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति पर रक्षा क्षमताओं का विकास करेगा।

कनाडाई पत्रकार बोर्डमैन ने कहा कि कनाडा में विश्वसनीय नहीं रहे जस्टिन ट्रूडो

ओटावा, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच बढ़ते तनाव के बीच कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की विश्वसनीयता और नेतृत्व में बढ़ते भरोसे की कमी की ओर इशारा किया है. बोर्डमैन ने भारत सरकार की ओर से अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने के फैसले को दोनों देशों के बीच बढ़ती दरार का स्पष्ट संकेत बताया. उन्होंने कहा कि कनाडा में कुछ खालिस्तानी सरकारी सिस्टम के भीतर कुछ तत्व हैं, वे इस पर पूरी तरह से हावी हैं. खालिस्तानी तत्व पूरी तरह से हमलावर हैं. वे इसे पूरी जीत के रूप में ले रहे हैं और भारत पर हमला कर रहे हैं. उन्होंने कनाडाई लोगों के बीच आम भावना पर भी टिप्पणी की, इस बात पर जोर देते हुए कि अधिकांश कनाडाई लोग ट्रूडो के तरीके से निराश हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि कनाडा के अधिकांश लोग इस सरकार से बेहद तंग आ चुके हैं. वे संस्थाओं पर भरोसा नहीं करते, मीडिया को विश्वसनीय नहीं मानते, जस्टिन ट्रूडो को विश्वसनीय नहीं मानते. बहुत से कनाडाई इसे देखकर कंधे उचका देंगे और शायद भारत का पक्ष भी लेंगे. उन्होंने कहा कि भारत-कनाडा संबंधों की वर्तमान स्थिति क्रायोस्टेसिस जैसी होगी. मुझे लगता है कि भारतीयों ने कनाडा को तब तक क्रायो पॉड में डाल दिया है जब तक कि हमें नई सरकार नहीं मिल जाती. उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार ट्रूडो

को एक उचित नेता के रूप में नहीं देखती है. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वे जस्टिन ट्रूडो को एक उचित अभिनेता के रूप में देखते हैं. मुझे नहीं लगता कि जब भारत की बात आती है तो वे उचित अभिनेता हैं, खासकर जब उनका समर्थन जगमीत सिंह द्वारा किया जाता है, जो खुले तौर पर शत्रुतापूर्ण हैं. बोर्डमैन ने भविष्यवाणी की कि यदि सरकार में बदलाव जल्दी नहीं होता है तो राजनयिक ठहराव कम से कम एक और वर्ष तक जारी रह सकता है. उन्होंने सुझाव दिया कि यदि चुनाव होते हैं, तो नई सरकार भारत के साथ संबंधों के लिए एक अलग दृष्टिकोण अपना सकती है. उन्होंने कहा कि फिलहाल अगले एक साल तक संबंधों में सुधार की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती है. उन्होंने कहा कि एक साल बाद यहां सरकार बदलने की संभावना है. नई सरकार आतंकवाद विरोधी और भारत समर्थक हो सकती है।

हांगकांग में बदहाली के दुकानों और 1000 रेस्तरां पर लटका ताला

विक्टोरिया, एजेंसी। हवाई कंपनियां हांगकांग के लिए पर्यटकों को छूट दे रही हैं। वहां पर्यटकों के लिए ड्रोन और दूसरे एअर शो हो रहे हैं। हांगकांग ने सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स को अपने यहां आमंत्रित किया है कि वे आकर देश की खूबसूरती देखें और इसकी कहानी बताएं। इसके बावजूद हांगकांग को पर्यटक नहीं मिल रहे, तो यह आश्चर्य की ही बात है।

दरअसल, एक समय पर्यटन व्यवसाय ही हांगकांग की आर्थिक ताकत था। लेकिन कोविड और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण वहां पर्यटकों की संख्या जो घटी, उसमें अब भी वृद्धि नहीं हो पा रही। हांगकांग के लिए परेशानी की बात यह भी है कि थाईलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे दूसरे एशियाई देशों में पर्यटकों का आंकड़ा कोविड से पहले के स्तर पर आ गया है। लंबे समय से पर्यटकों की कमी के कारण हांगकांग की छोटी-छोटी असंख्य दुकानें और रेस्तरां बंद हो गए हैं। जबकि बड़े होटलों में किसी भी समय दर्जनों कमरे खाली पाए जाते हैं।

ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरां को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। क्रिस्टिन चुंग हांगकांग की इस बदहाली के कई कारण बताए जा रहे हैं। वर्ष 2019 में चीन के वर्चस्ववाद के खिलाफ हांगकांग में हुए जनांदोलन के कारण पर्यटन उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ा। उस साल के उत्तरार्ध में वहां पर्यटकों के आंकड़े में 2018 की तुलना में 40 फीसदी

की कमी आ गई। वर्ष 2020 में कोविड से निपटने के लिए हांगकांग ने अपनी सीमाएं सील कर दी थीं। और अब भारी संख्या में विदेशी नागरिकों और कंपनियों के बाहर निकल जाने से लंबे समय से वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में हांगकांग की जो छवि बनी थी, उसे धक्का लगा है। और सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चीन में खाना और शॉपिंग करना महंगा होने के कारण हांगकांग के स्थानीय लोग शॉपिंग करने और यहां तक कि भोजन करने तक के लिए सीमा पार कर चीन पहुंच रहे हैं। ग्राहकों की कमी से छोटी दुकानों और रेस्तरा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। हांगकांग फेडरेशन ऑफ रेस्टोरेंट्स ऐंड रिलेटेड ट्रेड्स के प्रमुख सिमॉन वांग का-वो के अनुसार, ग्राहकों के अभाव में मार्च से अगस्त के बीच देश में लगभग 1,000 रेस्तरां बंद हो गए हैं।

मोक्षधाम पर हुए विकास कार्य बने चर्चा का विषय!

कितना बजट हुआ पारित? कितनी आई लागत? कौन था ठेकेदार?

द पुलिस पोस्ट

विजयनगर ब्यावर। नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड नंबर 23 धूणी रोड पर स्थित मुक्तिधाम में जो विकास कार्य हुए वो आज कल आम जनता में चर्चा का विषय बने हुए है। एक तरफ आम जनता ने यह कह रही है कि जो विकास कार्य मुक्तिधाम पर हुए है, वो बडे ही सराहनीय कार्य है। मुक्तिधाम पर किए गए विकास कार्यों में डिजाइन वाली सीमेंटेड रेलिंग,चबूतरे पर मार्बल रंग रोशन मुख्य द्वार के पास सुदर्शन चक्र के नीचे कमल के फूल पर गाय बछडे की आकर्षक प्रतिमा आदि विकास कार्य जिसे इस रास्ते से गुजरनेवाला हर व्यक्ति देखता जरूर है। जिस प्रकार राजस्थानी धार्मिक परंपरा के अनुसार मुक्तिधाम मे जो कल्चर का निर्माण हुआ उसकी चर्चा है। लेकिन जब इस निर्माण के बारे में कितना बजट पास हुआ कितनी लागत आई इस विषय को लेकर नगर पालिका के चेयरमैन अनीता मेवाड़ा
उपाध्यक्ष प्रीतम बडोला नगर पालिका अधिशासी अधिकारी प्रताप सिंह भाटी कनिष्ठ अभियंता दीपेन्द्र सिंह शेखावत पार्षद वार्ड नंबर 23 से अमित मोदी इन सभी से जब इस विकास कार्य के बजट व इस कार्य के सम्बन्ध में जानकारी चाहने का प्रयास किया तो कई प्रकार के अलग-अलग स्टेटमेंट सामने आए। ऐसे में कहीं न कहीं प्रतीत होता है कि क्या उक्त विकास कार्य के टेंडर हुए या नहीं? अगर हुए है तो किस ठेकेदार द्वारा यह निर्माण कराया गया? वह एक संशय बना हुआ है!

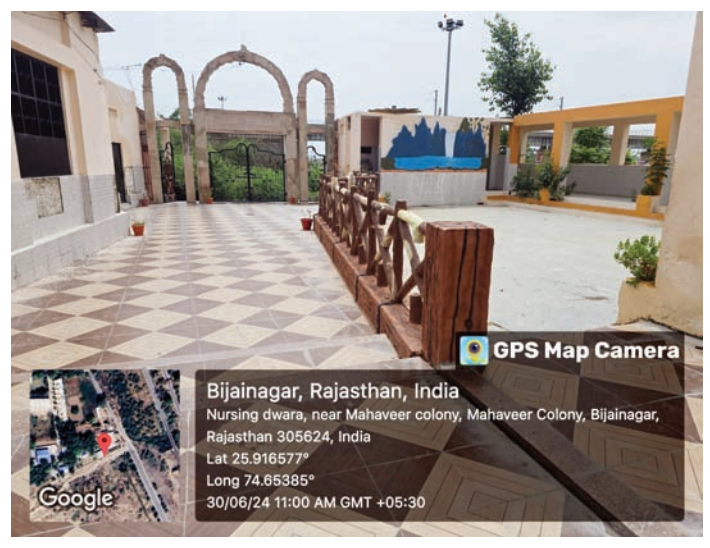

मोक्ष धाम(स्वर्गाश्रम) पर हुए विकास कार्य से सम्बंधित टेंडर ठेकेदार व बजट को लेकर जानकारी लेने पर यह तथ्य आए सामने।

सवाल:- अधिशासी अधिकारी भाटी से- मोक्ष धाम पर हुए विकास कार्यो का टेंडर किस ठेकेदार को मिला था और किस ठेकेदार ने करवाया?

जवाब- इसका आइडिया मुझे नहीं है आप जेईएन साहब से पूछिए।

सवाल:- पालिका कनिष्ठ अभियंता शेखावत से - मोक्ष धाम पर हुए विकास कार्यों की लागत क्या थी और ठेकेदार कौन था?

जवाब- इसके बारे मे आफिस पहुंचकर देखकर बताऊ, ठेकेदार का नाम भी मुझे ध्यान मे नहीं है फाइल मे देखकर बताउंगा। यहां क्या है की काम किसी कांट्रैक्ट किसी और का होता है। काम कोई ओर करता है बड़ी विचित्र स्थितिया हैं। घंटे भर में बताऊंगा।

सवाल:- पालिकाध्यक्ष अनिता मेवाड़ा से - मोक्ष धाम में हुए विकास कार्य की आपको जानकारी है ? ठेकेदार कौन था?

जवाब - विकास कार्य तो हुए है वहाँ। ये तो मेरे को नहीं पता मैं पता करके बताऊंगी।

सवाल:- उपाध्यक्ष प्रीतम बड़ौला से - मोक्ष धाम के विकास कार्यो की लागत कितनी पड़ी ? विकास कार्यों का फंड कहां से आया भामाशाह से या पालिका से ? क्या उस समय इसका टेंडर हो गया था?

जवाब-अभी काम ओर करवाने है यहां। हां कारीगर बाहर के थे। सब ए ग्रेड चीजे लगवाई है। ग्रेनाइट भी जो घरों में लगता है वही लगवाया। लगभग 28 लाख रुपए लगे है। ये फंड सरकारी योजना से आया है। आप किस जगह हो आओ बैठकर चर्चा करे। पालिका फंड से हुआ है। विस्तृत जानकारी मै लेकर देता हूँ।

सवाल:- पार्षद अमित मोदी से- आपके वार्ड में स्थित मोक्ष धाम मे हुए विकास कार्यो की आपको जानकारी है?

जवाब -अभी मैं ड्राइविंग कर रहा हूँ। इसकी जानकारी दस मिनट बाद दूँगा।

खबर लिखे जाने तक किसी ने भी कोई जानकारी किसी भी माध्यम से नही दी है। जनता ने मोक्षधाम पर हुए विकास कार्यों की सराहना की है।शहर वासी कहा कि विकास कार्यो से मोक्ष धाम की काया पलट गई है। मोक्ष धाम मे हरियाली ओर छाया के लिए कई पेड़ लगाए गए हैं। विजयनगर मोक्षधाम पर की गई व्यवस्थाएं सराहनीय व्यवस्थाएं हैं।

कनेक्शन में देरी करने वाले इंजीनियरों पर कार्रवाई नहीं:

प्रदेश में 16 हजार अवैध कनेक्शन कर पानी चोरी, सिर्फ 12 पर ही एफआईआर

द पुलिस पोस्ट

जयपुर प्रदेश में जलदाय विभाग की सरकारी पाइपलाइनों में अवैध कनेक्शन कर होटल, स्विमिंग पूल, मलटी स्टोरी बिल्डिंग व मकानों में धड़ल्ले से पानी चोरी किया जा रहा है। जलदाय विभाग ने पिछले एक सप्ताह में 16 हजार अवैध कनेक्शन पकड़े है। अवैध कनेक्शन कर पानी चोरी करने वालों के खिलाफ पीडीपी एक्ट के तहत पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। सबसे ज्यादा पानी चोरी का मामला भरतपुर रीजन में पकड़ा गया है। यहां अब तक की कार्यवाही में 4520 घरों में चोरी छिपे पाइपलाइन डाल कर पानी लिया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह की कार्रवाई में अकेले जयपुर शहर में 2 हजार अवैध कनेक्शन पकड़े गए है। जलदाय मंत्री

कन्हैयालाल चौधरी व प्रमुख सचिव भास्कर ए. सावंत ने वैध तरीके से कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं तक पूरे प्रेशर से पानी सप्लाई करने के लिए इन अवैध कनेक्शन वालों पर कार्यवाही का आदेश दिया था। विभाग की कार्यवाही के बाद केवल एक हजार लोगों ने अपना पानी कनेक्शन रेगुलाइज करवाया है। वहीं 15 हजार घरों में कनेक्शन काट दिए है।

राइजिंग लाइनों को तोड़ कर 24 घंटे पानी चोरी

विभाग की कार्यवाही में जयपुर सहित बड़े शहरों में कई होटल, रेस्टोरेंट व पानी प्लांट वालों के राइजिंग लाइन को तोड़ कर अवैध कनेक्शन करने के मामले सामने आए है। इन अवैध कनेक्शनों से 24 घंटे पानी चोरी किया जा रहा है। इससे विभाग को हर महीने करोड़ों रुपए के राजस्व का हानि हो रही है। इन जिलों में कार्यवाही सुस्त: विभाग के प्रमुख सचिव के आदेश के बाद भी कई जिलों में राजनीतिक दबाव से अवैध कनेक्शन के खिलाफ कार्यवाही ही नहीं की जा रही है। ब्यावर, टोंक, डीडवाना- कुचामन, नीमकाथाना, बालोतरा, राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर व सलूंबर में सबसे कम कार्रवाई की गई है। वहीं पानी चोरी करने वालों के खिलाफ अब तक केवल 12 एफआईआर दर्ज हुई है।

पहले चिन्हित किए अवैध कनेक्शन

प्रदेश के अधिकांश शहरों में पानी की चोरी व अवैध कनेक्शन की लगातार शिकायतें मिल रही हैं। कई शहरों में हजारों की संख्या में अवैध जल कनेक्शन चिन्हित हो चुके हैं, उनके अनुपात में अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई काफी कम हुई है। राइजिंग मैन लाइन एवं वितरण लाइन से सभी अवैध कनेक्शन को अभियान से पहले चिन्हित कर लिया जाए। अवैध कनेक्शन धारक के विरूद्ध पीडीपी एक्ट के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है। नेक्शन नहीं दे रहे है इंजीनियर, अवैध कनेक्शन मजबूरी: विभाग के अभियान के दौरान कई जगह लोगों ने विरोध किया है। लोगों का आरोप है कि जलदाय विभाग के इंजीनियर फाइल लगाने के बाद भी पानी के कनेक्शन नहीं दे रहे है। बार बार ऑफिस के चक्कर काटने पड़ रहे है। पीने का पानी लेने के लिए अवैध कनेक्शन लेना पड़ता है।

कम्युनिटी पुलिसिंग में राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार:आईपीएस पंकज चौधरी सम्मानित

द पुलिस पोस्ट

जयपुर राजस्थान कैडर के क्ष्ढर पंकज चौधरी की लीडरशिप में कम्युनिटी पुलिसिंग को आज राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दिल्ली के होटल पुलमैन में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान समारोह में क्ष्ढर पंकज चौधरी को कम्युनिटी पुलिसिंग में नवाचार और उमदा कार्यों के लिए डूइंग गुड फॉर भारत अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया। आईपीएस पंकज चौधरी को यह सम्मान शासन और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से उमदा परफॉर्मेंस के लिए दिया गया। इंडिया सीएसआर एंड ईएसजी समिट 2024 के अवसर पर राजस्थान में कम्युनिटी पुलिसिंग के कार्यों की सराहना और सम्मान करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नवाजा गया। सीएसआर एंड ईएसजी शिखर सम्मेलन के इस 11वें संस्करण में देशभर से चुनिंदा श्रेष्ठ कार्यों को मुकाम देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री और ढोलकिया फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवाजी ढोलकिया, केंद्रीय राज्यमंत्री कॉर्पोरेट अफेयर्स हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, उत्तरप्रदेश के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री असीम अरुण समेत कर्नाटक के चिकित्सा मंत्री दिनेश गुण्डु राव ने आईपीएस पंकज चौधरी को सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में आईपीएस पंकज चौधरी के साथ एडीजीपी मध्यप्रदेश डॉ. वरुण कपूर, अडाणी फाउंडेशन, हुंडई मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई लाइफ, सनोफी इंडिया, एचडीएफसी बैंक, जेनपैक्ट इंडिया, कैपजैमिनी टेक्नोलॉजी सरीखी देश की बड़ी कंपनियों के उम्दा प्रयासों को भी सम्मानित किया गया।

त्योहारी डिमांड की तैयारी; 1000 किलो नकली देशी घी बरामद

द पुलिस पोस्ट

जयपुर मुहाना मंडी के पास केश्यावाला गांव में पॉम ऑयल, रिफाइंड व एसेंस मिलाकर नकली देशी घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। इसकी मानसरोवर एसीपी (आईपीएस) आदित्य काकड़े को बुधवार सुबह सूचना मिली थी। इसके बाद एसीपी ने टीम के साथ छापा मारा। जिसमें 1 हजार किलो सरस और कृष्णा ब्रांड नकली घी को जब्त किया गया। इसके बाद एसीपी काकड़े ने फूड डिपार्टमेंट को सूचना दी। घी को 400 से 450 रुपए किलो बेचा जा रहा था। जांच में पता चला कि एक माह पहले ही फैक्ट्री लगाई गई थी और अब तक 2000 किलो घी बनाकर अलग-अलग इलाके के बाजार में सप्लाई किया जा चुका था। इधर, फूड डिपार्टमेंट कार्रवाई कर 4 दिन में 6000 किलो नकली घी जब्त किया जा चुका है। एसीपी आदित्य काकड़े ने बताया कि केश्यावाला में नकली घी की फैक्ट्री पर बुधवार सुबह 8 बजे छापेमारी की गई। फैक्ट्री में नकली घी की पैकिंग करते हुए इकरार पुत्र वहीद खान (22) निवासी आगरा और समीर पुत्र शहाबुद्दीन (20) निवासी इटावा (यूपी) को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। आरोपी फैक्ट्री मालिक मनीष गुप्ता मौके से भाग गया। घर से कृष्णा और सरस ब्रांड के 1 लीटर घी के पैकेट बरामद किए गए हैं। इसके बाद मौके पर सरस डेयरी व कृष्णा घी कंपनी के प्रतिनिधियों को बुलाया गया। उन्होंने पैकिंग के डिब्बों को नकली बताया। इस संबंध में सरस डेयरी की ओर से कॉपीराइट एक्ट में मुहाना थाने में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच थानाधिकारी मदन लाल कड़वासरा को दी है। घी के सैंपल लेकर एफएसएल को जांच के लिए भेज कर घी को जब्त कर लिया।

नकली घी के नुकसान

हार्ट की बीमारी, हाई बीपी, लिवर खराब, गर्भपात का खतरा, दिमाग में सूजन, पेट खराब, अपच, एसिडिटी, कोलेस्ट्राल बढ़ना। अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि जप्त 1 हजार किलो घी में 800 लीटर पॉम ऑयल व 200 लीटर रिफाइंड ऑयल मिला कर उसमें देशी घी की खुशबू का एसेंस डाला गया था। एफएसएसएसआई एक्ट में सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। फैक्ट्री में सरस और कृष्णा ब्रांड के बड़ी संख्या में स्टीकर, रैपर और टीन भी मिले हैं। जिनमें त्योहारी सीजन में 7000 किलो घी बनाकर सप्लाई करना था। छापे के दौरान पैकेटों में घी भरा जा रहा था। अतिरिक्त आयुक्त ओझा ने बताया कि गत 6 माह में पॉम ऑयल व रिफाइंड ऑयल को मिलाकर बनाया हुआ 30 हजार किलो नकली देशी घी जब्त किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लिडीएल टॉवर, उए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं भू-तल ऑरबिट मॉल, सिविल लाइंस, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 99280-96524, पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंध संपादक) 01482-455184, 9214417111